TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

ताजमहल तक लगाई दंडवत परिक्रमा... (पेज-3)

पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-53 | मूल्य ₹7 | मंगलवार | दिनांक- 25 .08 .2026

समिति के कार्यकारी सभापति बने विजय शिवहरे

- खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दावों पर रोक के लिए बनाई गई उच्चस्तरीय समिति

टीएनएफ टुडे, लखनऊ/आगरा।

उत्तर प्रदेश के नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और खाद्य पदार्थों में मिलावट व नकली दावों के बढ़ते प्रचलन पर प्रभावी रोकथाम लगाने के लिए उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति द्वारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

इस नवगठित उच्चस्तरीय समिति के कार्यकारी सभापति का महत्वपूर्ण दायित्व उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश मंत्री एवं विधायक विजय शिवहरे को सौंपा गया है। इस गरिमामयी और जनहित से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेशभर के कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और प्रबुद्ध नागरिकों ने विजय शिवहरे को फोन, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से मिलकर हार्दिक बधाइयां एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

बधाई देने वालों का कहना है कि शिवहरे की कुशल नेतृत्व क्षमता, सांगठनिक अनुभव और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए

उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इस समिति के माध्यम से प्रदेश में मिलावटखोरों और भ्रामक विज्ञापन या नकली दावे करने वालों पर कड़ा शिकंजा कसा जा सकेगा। जिससे उत्तर प्रदेश के नागरिकों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ मिल सकेंगे और उनके स्वास्थ्य के साथ होने वाले खिलवाड़ पर पूर्ण विराम लगेगा। इस अवसर पर विजय शिवहरे ने शीर्ष नेतृत्व और सभापति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, ''जनता के स्वास्थ्य और जीवन से खिलवाड़ करने वाले तत्वों के खिलाफ यह समिति पूरी कड़ाई से काम करेगी। मिलावट मुक्त उत्तर प्रदेश का निर्माण ही हमारी प्राथमिकता है।''

संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में आर्य गुरुकुल महाविद्यालय, सिरसागंज का शानदार प्रदर्शन

विद्यार्थियों ने गीत एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं में अर्जित किए प्रथम, द्वितीय , तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित फिरोजाबाद जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता-2026 का भव्य एवं सफल आयोजन आज आर्य गुरुकुल महाविद्यालय, सिरसागंज, फिरोजाबाद में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मुदिता पांडेय (जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद) उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की प्राचीन एवं समृद्ध भाषा है तथा

भारतीय भाषाओं और संस्कृति के विकास में इसका अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृत के अध्ययन एवं संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान, संस्कृति और परंपरा की अमूल्य धरोहर है।

निर्णायक मंडल में डॉक्टर रामबदन पांडे डॉ अभिषेक कुमार तिवारी डॉक्टर राजीव कुमार तिवारी डॉक्टर प्रियंका देवी राजपूत आदि निर्णायक रहे।

प्रतियोगिता में आर्य गुरुकुल महाविद्यालय, सिरसागंज के ब्रह्मचारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का गौरव बढ़ाया।

संस्कृत गीत प्रतियोगिता में उपलब्धियाँ

- प्रथम स्थान – आकाश बाबू
- द्वितीयस्थान – गौतम बाबू
- तृतीय स्थान – अंशू

इसी प्रकार संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का शानदार परिचय दिया–

- प्रथम स्थान – अभिषेक सिंह
- द्वितीय स्थान – सत्यम् दुबे
- तृतीय स्थान-अंश बाबू

इस प्रकार दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त उल्लेखनीय सफलताओं में आर्य गुरुकुल महाविद्यालय, सिरसागंज की शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं संस्कृत-आधारित गुरुकुल परंपरा की उत्कृष्टता को प्रमाणित किया।

कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री सत्यकाम सिंह तोमर ने विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र तथा प्रतीक चिन्ह देकर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी कठोर साधना, निरंतर अभ्यास, अनुशासन, आचार्यों के मार्गदर्शन तथा गुरुकुलीय संस्कारों का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार परिश्रम करते हुए संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, संस्कृत के प्रति अनुराग, ज्ञान की जिज्ञासा तथा भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव-बोध उत्पन्न करती हैं। जनपद संयोजक आचार्य अरुण कुमार द्विवेदी जी ने आगंतुक सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया।

अमित शाह का घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस का आदेश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में नौवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2026 का उद्घाटन किया। सम्मेलन में देशभर से करीब 850 अधिकारी शामिल हुए। अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को घुसपैठ और अवैध आव्रजन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में एजेंसियों को ज्यादा समन्वित और सख्त तरीके से काम करना होगा।

आतंकवाद के खिलाफ AI का इस्तेमाल कैसे बढ़ेगा?

अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को मल्टी-एजेंसी सेंटर यानी MAC पर उपलब्ध खुफिया जानकारी के विश्लेषण में AI आधारित तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने अककी मदद से राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया यानी SOP तैयार करने पर भी जोर दिया। उनका निर्देश है कि तकनीक का इस्तेमाल केवल जानकारी जुटाने तक सीमित न रहे, बल्कि उसके विश्लेषण और कार्रवाई में भी किया जाए। सम्मेलन के पहले दिन आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर अपराध और पाकिस्तान की प्रॉक्सी वॉर जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। अमित शाह ने आतंकवाद और कट्टरपंथ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय की 'प्रहार' पहल के प्रभावी क्रियान्वयन और सुरक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण पर जोर दिया।

जिंदा जलने से बचे तीन युवक

हाइवे पर अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलटी और लग गई आग

- जान जोखिम में डाल दरोगा ने कार में फंसे युवकों को निकाला

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एत्मादपुर थाना क्षेत्र में रविवार रात हाइवे पर हुए भीषण सड़क हादसे के बाद एक पुलिसकर्मी की बहादुरी ने तीन युवकों की जान बचा ली। भागूपुर पुल पर तेज रफ्तार क्विड कार ओवरटेक करने के प्रयास में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और पलट गई। हादसे के कुछ ही क्षण बाद कार में आग लग गई और तीनों युवक उसके भीतर फंस गए। इसी दौरान कांवड़ ड्यूटी में गश्त कर रहे उपनिरीक्षक अवनीश अग्निहोत्री मौके पर पहुंचे और अपनी जान की परवाह किए बिना आग की लपटों के बीच घुसकर तीनों युवकों को बाहर निकाल लिया।

जानकारी के मुताबिक रविवार रात एक क्विड कार में तीन युवक फिरोजाबाद की ओर से आ रहे थे। भागूपुर पुल पर कार सवारों ने आगे निकलने के लिए ओवरटेक करने

का प्रयास किया। इसी दौरान कार अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार में डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सड़क पर पलट गई।

हादसे के तुरंत बाद कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने वाहन को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। कार के भीतर फंसे युवकों में चीख-पुकार मच गई। हाईवे पर हादसा देखकर राहगीरों में भी अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय कार में फिरोजाबाद के कोटला निवासी जतिन पुत्र परविंदर कुशवाह, पवन पुत्र सुनील और रुद्र पुत्र मनीष पचौरी सवार थे। दुर्घटना के बाद तीनों कार के अंदर फंस गए थे और बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा था। इसी बीच कांवड़ ड्यूटी के दौरान क्षेत्र में गश्त कर रहे उपनिरीक्षक अवनीश अग्निहोत्री अपने हमराही आरक्षी के साथ वहां पहुंच गए। मौके की स्थिति बेहद खतरनाक थी। कार धू-धूकर जल रही थी और किसी भी समय आग और तेजी से फैल सकती थी। इसके बावजूद उपनिरीक्षक अवनीश अग्निहोत्री ने बिना समय गंवाए बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालते हुए जलती कार के पास पहुंचकर उसमें फंसे तीनों युवकों को बाहर निकालने का प्रयास किया। आग की लपटों के बीच साहस दिखाते हुए उन्होंने एक-एक कर तीनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दरोगा की इस तत्परता से कुछ ही देर में तीनों युवकों की जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

तीनों घायल युवकों को तत्काल थाना मोबाइल के माध्यम से आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उपचार के बाद तीनों युवकों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को हाईवे से हटवाया, जिसके बाद यातायात को सामान्य कराया जा सका।

ज्ञानेश कुमारः चुनाव आयोग की पारदर्शिता अटल सत्य, मैं आरोपों से डरता नहीं

लखनऊ। यूपी के दो दिन के दौरे पर सोमवार को लखनऊ पहुंचे देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने लोगों का आह्वान किया कि वे वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में हुए 93.7 प्रतिशत मतदान का रिकॉर्ड तोड़ें। उन्होंने 20 जिलों के शैक्षिक संस्थानों से आए शिक्षकों व छात्रों के साथ संवाद में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली व उनके सवालों का खुलकर जवाब दिया। मौका था इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मतदाता साक्षरता क्लब और एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट पर क्षेत्रीय सम्मेलन का ज्ञानेश ने कहा कि चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहा है। कोई कुछ भी इल्जाम लगाए चुनाव आयोग उससे डरने व घबराने के बजाय उसे चुनौती के रूप में स्वीकार करता है और पूरी पारदर्शिता से काम करता है। जिस तरह से यह अटल सत्य है कि सूरज पूरब से ही निकलता है, ठीक उसी तरह चुनाव आयोग पूरी तरह पारदर्शी है, यह भी अटल सत्य है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जिसे जिस दिशा से सूरज उगाना है वह उगाए, हम इस पर ध्यान नहीं देते। आज के युवा सबसे समझदार हैं, वह हर चीज समझते हैं।

मॉस्को में पुतिन से मिले जयशंकर

दिया पीएम मोदी का खास संदेश; बोले- भारत-रूस आर्थिक सहयोग तेजी से बढ़ा

एजेंसी, मॉस्को

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने व्लादिमीर पुतिन को प्रधानमंत्री नरेंद्र का खास संदेश दिए। जयशंकर ने कहा, "मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देकर अपनी बात शुरू करना चाहता हूं। उन्होंने आपको देने के लिए मुझे एक व्यक्तिगत संदेश दिया है, जिसे मैं आपको सौंपना चाहता हूं।"

उन्होंने कहा, "हमने अंतर-सरकारी आयोग की बैठक की। मुझे लगता है कि कुल मिलाकर हमारे पास आपको बताने के लिए एक अच्छी रिपोर्ट है।" जयशंकर ने कहा, "मुझे लगता है कि हमारा आर्थिक सहयोग, व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु और अन्य क्षेत्रों में भी काफी प्रगति हुई है। मुझे इन सभी विषयों पर विस्तार से बात करने में खुशी होगी।"

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने व्लादिमीर पुतिन को प्रधानमंत्री नरेंद्र का खास संदेश दिए। जयशंकर ने कहा, "मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देकर अपनी बात शुरू करना चाहता हूं। उन्होंने आपको देने के लिए मुझे एक व्यक्तिगत संदेश दिया है, जिसे मैं आपको सौंपना चाहता हूं।"

उन्होंने कहा, "हमने अंतर-सरकारी आयोग की बैठक की। मुझे लगता है कि कुल मिलाकर हमारे पास आपको बताने के लिए एक अच्छी रिपोर्ट है।" जयशंकर ने कहा, "मुझे लगता है कि हमारा आर्थिक सहयोग, व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु और अन्य क्षेत्रों में भी काफी प्रगति हुई है। मुझे इन सभी विषयों पर विस्तार से बात करने में खुशी होगी।"

पुतिन ने पीएम मोदी को लेकर क्या कहा?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, ''आज आपकी यात्रा दशकों से रूस और भारत के बीच स्थापित संबंधों के स्तर को रेखांकित करती है। हम लगभग सभी क्षेत्रों में मिलकर काम करना जारी रखते हैं। इसमें सरकारी संबंध, अंतर-संसदीय संबंध और आर्थिक सहयोग शामिल हैं। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि इस वर्ष हमारे व्यापारिक कारोबार में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष इसमें थोड़ी गिरावट आई थी, लेकिन इस वर्ष यह बढ़ रहा है, और इसका श्रेय आंशिक रूप से, और शायद मुख्य रूप से, प्रधानमंत्री मोदी को जाता है, जो रूसी-भारतीय संबंधों को विकसित करने पर व्यक्तिगत ध्यान दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि शंघाई सहयोग संगठन के ढांचे के भीतर, जैसा कि हमने योजना बनाई थी, उनसे जल्द ही मुलाकात होगी। हमारा कार्यक्रम ऐसा है कि हम संभवतः इस वर्ष फिर से मिल पाएंगे। मुझे पता है कि आप (विदेश मंत्री) और आपके रूसी समकक्ष, रूसी उप प्रधानमंत्री मंटुरोव, जो अंतर-सरकारी आयोग के रूसी हिस्से के प्रमुख हैं, ने पहले ही कड़ी मेहनत की है और निस्संदेह सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की है।''

भारत की ऊर्जा जरूरतों पर क्या बोले पुतिन?

पुतिन ने कहा, ''ऐसे कई मुद्दे हैं। इनमें से एक मुद्दा केवल ऊर्जा का नहीं है – यह उर्वरक आपूर्ति का भी है। हम भारतीय किसानों और कृषि के लिए इस समस्या का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद डोनर पत्नी स्वस्थ

सफल ऑपरेशन के दूसरे दिन डोनर मीना की स्थिति स्थिर, डॉक्टर रख रहे नजर

- निःशुल्क इलाज के लिए मीना ने पीएम मोदी, सीएम योगी और डॉक्टर्स का जताया आभार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज में हुए किडनी ट्रांसप्लांट के दूसरे दिन 31 वर्षीय मीना, जिन्होंने अपने पति को अपनी किडनी दी है। पूरी तरह स्वस्थ और स्थिर स्थिति में हैं। डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए है।

इलाज के दौरान मीना ने इस सफल ऑपरेशन और असाध्य रोग योजनाके तहत मिले निःशुल्क इलाज के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा एसएनएमसी के प्राचार्य एवं डीन डॉ. प्रशांत गुप्ता एवं डॉक्टर्स की टीम का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया।

संक्रमण के बचाव और मेडिकल गाइडलाइंस के कारण मीना अभी

कुछ दिन अपने पति से सीधे तौर पर नहीं मिल सकती हैं। इसलिए अस्पताल प्रशासन की मदद से दोनों की वीडियो कॉल पर बात कराई गई। वीडियो कॉल के दौरान दोनों ने एक-दूसरे का हाल-चाल लिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कहा कि हमारी मेडिकल टीम मरीज और दाता दोनों के स्वास्थ्य की चौबीसों घंटे निगरानी कर रही है।

दोनों की रिकवरी बहुत तेजी से हो रही है और वे पूरी तरह सुरक्षित हैं। मेडिकल कॉलेज में इस तरह के जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देना और मरीजों को नया जीवन देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कानपुर आर टी ओ दफतर में क्राइम ब्रांच की बड़ी रेड!

कानपुर। 50 पुलिस-कर्मियों ने आर टी ओ दफ़्तर परिसर को घेरा, दोनों गेट बंद कराए गए। ड्रोन से पूरे परिसर की निगरानी के बीच पुलिस ने 22 एजेंटों को हिरासत में लिया। छापेमारी के दौरान चालान बाबू के पास से 1 लाख रुपये कैश मिलने की भी बात सामने आई है। कार्रवाई अऊ्ढ क्राइम सुमित सुधाकर रामटेके और उपजिलाधिकारी सदर अभिनव सिंह के नेतृत्व में हुई। करीब 3 घंटे चली कार्रवाई के बाद सभी 22 संदिग्धों को पूछताछ के लिए काकादेव थाने भेजा गया।

पृथ्वीनाथ से मनौती मांगने उमड़ पड़े श्रद्धालु

सावन के अंतिम सोमवार को मंदिर में रात 2 बजे से लगी लाइनें

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर में सावन के चौथे सोमवार को जलाभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। कांवड़ियों का पहुंचना रात 2 बजे से ही शुरू हो गया था। डाक कांवड़ लेकर पहुंचे शिवभक्तों ने सबसे पहले महादेव का जलाभिषेक किया। इसके बाद सुबह होते-होते मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। सुबह 11 बजे तक करीब 30 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। मंदिर परिसर में चारों तरफ हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। मंदिर प्रशासन के मुताबिक जलाभिषेक का सिलसिला सोमवार रात 12 बजे तक चलता रहेगा। इसके बाद मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे। सावन के सोमवार पर यहां जल चढ़ाने को लेकर श्रद्धालुओं में खास आस्था है।

इसी वजह से रात से ही बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचने लगे थे। भक्तों की भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग की गई है।

अतिरिक्त पुलिस बल और स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो और भीड़ को व्यवस्थित रखा जा सके। रविवार शाम मेले का उद्घाटन होने के बाद सोमवार को मंदिर और आसपास का पूरा इलाका शिवभक्ति में डूबा नजर आया। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने पहले मंदिर में दर्शन और जलाभिषेक किया। इसके बाद परिवार के साथ मेले में पहुंचे। यहां झूलों, दुकानों और भंडारों पर भी काफी भीड़ रही। पृथ्वीनाथ मेले में लगे अलग-अलग झूले बच्चों के साथ बड़ों को भी खूब पसंद आ रहे हैं। नागिन झूला, ब्रेक डांस और ड्रैगन ट्रेन समेत कई झूले लगाए गए हैं। इन पर दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई।

मेले में कई संस्थाओं की ओर से भंडारे भी लगाए गए हैं। यहां श्रद्धालुओं को पूरी-सब्जी, खिचड़ी, हलवा और शरबत का प्रसाद बांटा जा रहा है। दर्शन के बाद लोग मेले में खरीदारी और झूलों का आनंद लेते नजर आए। पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर की ब्रज क्षेत्र में काफी मान्यता है। सावन के दौरान हर साल यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सावन के सोमवार पर भीड़ और बढ़ जाती है। इस बार भी चौथे सोमवार को रात से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

साउथ एशिया के स्काउट प्रमुखों का स्वागत

टीएनएफ टुडे, आगरा।

साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ नेशनल स्काउट ऑर्गेनाइजेशन के मुख्य आयुक्त सहित 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का आगरा पहुंचने पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। प्रतिनिधिमंडल में दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों के स्काउट संगठनों के प्रमुख अधिकारी शामिल रहे। जेपी होटल में आयोजित स्वागत समारोह में आरबीएस कॉलेज के प्राचार्य एवं जिला कमिश्नर रोवर प्रो. विजय श्रीवास्तव एवं सहायक प्रादेशिक आयुक्त प्रो. बसंत बहादुर सिंह ने प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर भारत सहित दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों के स्काउट संगठनों के बीच आपसी सहयोग, भाईचारे और स्काउटिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

प्रतिनिधिमंडल में भारत, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव एवं श्रीलंका के स्काउट संगठनों के मुख्य आयुक्त एवं प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे। आगरा प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल को विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का भ्रमण कराया गया। ताजमहल की स्थापत्य कला और ऐतिहासिक विरासत से प्रतिनिधिमंडल के सदस्य काफी प्रभावित हुए। इसके पश्चात जेपी होटल में विशेष भोज का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय स्काउट संगठन के प्रमुख अधिकारी एवं पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने स्काउटिंग के माध्यम से युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, राष्ट्रप्रेम एवं अंतरराष्ट्रीय सद्भाव की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल का आगरा दौरा भारत और दक्षिण एशियाई देशों के स्काउट संगठनों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया। समारोह का वातावरण आत्मीयता, सहयोग और अंतरराष्ट्रीय भाईचारे से ओत-प्रोत रहा।

दरोगा बने देवदूत, जलती कार से बचाई 3 की जान

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर (आगरा)।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर एत्मादपुर थाना क्षेत्र के भागूपुर पुल के पास एक भीषण सड़क हादसा देखने को मिला। यहाँ फिरोजाबाद से आगरा की तरफ आ रही एक बेकाबू कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पलट गई और उसमें अचानक भीषण आग लग गई। कार में सवार लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले आग ने विकराल रूप ले लिया और वे अंदर ही फंस गए।

थाना एत्मादपुर में तैनात सब इंस्पेक्टर अवनीश अग्निहोत्री इलाके में गश्त पर थे। कार में लगी आग व चीख-पुकार सुनकर उन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की और तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने अकेले ही कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। अवनीश अग्निहोत्री की तत्परता और साहस से तीनों लोगों की जान बच गई। उन्होंने बिना समय गंवाए घायलों को तुरंत एसएन मेडिकल कॉलेज भिजवाया। अस्पताल में तीनों घायलों का इलाज जारी है। समय पर मिली इस सहायता से एक बड़ी अनहोनी टल गई। अवनीश अग्निहोत्री की इस जांबाजी ने साबित कर दिया कि खाकी न सिर्फ कानून व्यवस्था संभालने के लिए है, बल्कि हर विकट स्थिति में आम जनता की सुरक्षा के लिए सबसे पहले खड़ी रहती है। उनके इस साहसिक कार्य की हर तरफ जमकर सराहना हो रही है।

नगरिया में जलभराव से लोग पलायन को मजबूर

- तीन दर्जन से अधिक परिवार छतों पर रहने को मजबूर

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

दो माह से नगरिया में जलभराव से पलायन को मजबूर लोग तीन दर्जन से अधिक परिवार छतों पर रह रहे हैं। आम रास्ता बंद होने से गलियों में तालाब का पानी भरा हुआ है।

मामला तहसील फतेहाबाद के गांव नगरिया का है। जहां पिछले दो माह से बारिश का पानी आम रास्तों के साथ गलियों तक भरा हुआ है। जिसके चलते लोग घरों को छोड़कर पलायन करने के लिए मजबूर है। तीन दर्जन से अधिक परिवार छतों पर रहकर जीवन यापन कर रहे हैं। मवेशियों का बुरा हाल है। लोगों का कहना है कि कई वर्षों से तालाब के ओवरफ्लो होने के कारण बारिश का पानी आम रास्ते के साथ-साथ गांव की गलियों में भर जाता है। जिससे आने-जाने की समस्या होती है। जो पुराने मकान है उनके गिरने का भी खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि इसको लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों तथा प्रधान से शिकायत की गई लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसलिए गांव के लोग अब पलायन करने को मजबूर हैं। गांव के देवदत्त,श्याम बिहारी, ब्रह्मचारी, ब्रह्मजीत, प्रमोद, विवेक, हरी बाबू, पप्पू, दिनेश आदि लोगों के घरों में पानी भर गया है। देवेंद्र व प्रमोद के द्वारा घरों में पानी भर जाने से अपने घर खाली कर दूसरी जगह रहने को मजबूर है। ग्रामीणों का कहना है नगरिया गांव में प्रत्येक शुक्रवार को बड़ी-बड़ी दूर के लोग झाड़ा लगवाना व परिक्रमा लगाने के लिए आते है। लेकिन पूरे गांव में पानी भर जाने के कारण लोग वापस लौट जाते है। झाल से हीरापुरा,नगरिया होते हुए धिमिश्री जाता है। लेकिन नगरिया में पानी भरा होने कारण यह रास्त बंद हो गया है। वहीं नाथूपुरा में भी सड़क में जलभराव होने के कारण ग्रामीणों व स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दीवार पर त्रिपाल लगाते समय करंट से युवक की मौत

फतेहाबाद। कस्बा फतेहाबाद के सारंगपुर अर्जुन नगर में दीवार के सहारे सीढ़ी लगाकर त्रिपाल लगाते समय करंट की चपेट में आने से ऑटो चालक की मौत हो गई, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया। रामबाबू पुत्र नाहर सिंह उम्र 42 वर्ष निवासी सारंगपुर रोड अर्जुन नगर कस्बा फतेहाबाद दिल्ली में ऑटो चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करते है। रविवार की शाम त्यौहार के चलते बच्चे के साथ दिल्ली से घर वापस आए थे।सोमवार दोपहर दो बजे के करीब दीवार के सहारे सीढ़ी लगाकर त्रिपाल डाल रहे थे। तभी दीवार के ऊपर लगे लोहे के विद्युत पोल से गुजर रही ग्यारह हजार लाइन के करंट की चपेट में आने से झुलस कर सीढ़ी से गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और इलाज के लिए अस्पताल ले गए जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक एक पुत्र, दो बेटी छोड़ गए।

पैरावेट एवं वैक्सीनेटर ने किया प्रदर्शन

- एसडीएम को मांग पत्र सौंप लगाई सुरक्षा की गुहार
- कार्यवाही न होने पर दी कार्य बहिष्कार की चेतावन

टीएनएफ टुडे, बाह।

टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान एवं पशु पालन विभाग के निर्देशन में बीमार पशुओं का इलाज करने वाले पैरावेट और वैक्सीनेटर अपने शोषण और उत्पीड़न के विरोध में सोमवार को सड़क पर उतरे और तहसील मुख्यालय बाह पहुंच कर एसडीएम बाह विनोद कुमार को मांग पत्र सौंप कर सुरक्षा सुनिश्चित न होने पर कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी है। मांग पत्र में कहा है कि पशु पालन विभाग के निर्देशन में पशु चिकित्सा, कृत्रिम गभार्धान, टीकाकरण आदि सेवाएं दे रहे हैं। सेवाओं के दौरान अभद्रता, मारपीट, अवैध मांग जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। जिन पर रोक जरूरी है। पशुओं की मौत पर जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कराए जाने, पहचान के लिए आईकार्ड जारी किए जाने, टीकाकरण से रोकने वालों पर सरकारी कार्य में बाधा के प्रावधान के तहत कार्यवाही किए जाने, किसान प्रशासन समन्वय से जागरुकता अभियान चला कर गलत फहमियां दूर किए जाने की उन्होंने मांग उठाई है। पैरावेट मुकेश कुमार का उत्पीड़न करने वालों पर कार्यवाही किए जाने, सुरक्षित एवं भयमुक्त माहौल बनाए जाने की मांग की है। अमल न होने पर सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार की धमकी दी है। एसडीएम ने निष्पक्ष जांच एवं कार्यवाही का आश्वासन दिया है। इस दौरान रवीश, अतेन्द्र सिंह, अनुराग मिश्रा, मुकेश कुशवाह, हिमांशू शर्मा, अनिल कुमार, मदन सिंह, हरीश सिंह, योगेश तिवारी, आकाश शर्मा, अमित सिंह, विक्रम सिंह, सोनू यादव, गोकेश, तपेन्द्र सिंह, पंकज शर्मा आदि रहे।

स्टेट एथलेटिक्स में अंबिका ने जीता रजत पदक

बाह। प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में 23 से 25 अगस्त तक आयोजित हुई यूपी स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बाह के जरार की अंबिका वर्मा ने रजत पदक जीता है। उसने प्रदेश भर की एथलीटों के बीच 1000 मीटर की दौड़ में यह उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले आगरा, ग्वालियर, धौलपुर, दिल्ली में अपनी धाक जमा चुकी है। उड़न परी पीटी ऊषा का सानिध्य पाने वाली अंबिका वर्मा की उपलब्धि पर जरार में पिता राजपाल वर्मा के घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया है। बधाई देने वालों में घनश्याम भारतीय, अमित ओझा, किताब सिंह वर्मा, सुखदेव वर्मा, उदित राजपूत, राजा राजपूत, मनीष राजपूत आदि रहे। पिता राजपाल वर्मा ने बेटी की उपलब्धि पर कहा कि उसने परिवार ही नहीं, क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है।

अपर पुलिस आयुक्त ने खेडा राठौर थाने का किया निरीक्षण

बाह। अपर पुलिस आयुक्त सचिंद्र पटेल ने रविवार की शाम खेडा राठौर थाने का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय के अभिलेखों की पड़ताल की। महिला हेल्प डेस्क और मिशन शक्ति केन्द्र की समीक्षा की। साइबर हेल्प डेस्क की जानकारी ली। मालखाना, शस्त्रागार, विवेचना कक्ष, बैरक, निमार्णाधीन मैस का निरीक्षण किया। उन्होंने मातहतों को अभिलेखों के व्यवस्थित रखरखाव, साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। जनसुनवाई की समीक्षा करते हुए शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण की हिदायत दी। लंबित विवेचनाओं की प्रगति की समीक्षा की और त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। फरियादियों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार की हिदायत दी।

स्कूली बच्चों को दी एचआईवी की जानकारी

अछनेरा। सीएचसी अछनेरा के द्वारा क्षेत्र के स्कूलों में छात्र-छात्राओं को एचआईवी जैसी भयानक और जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए विशेष जागरूकता शांति देवी स्कूल मे शिविर आयोजित किए गए। शिविर में मुख्य वक्ता भूप सिंह इंदौलिया और स्वास्थ्य काउंसलर उमा चौहान ने विद्यार्थियों को बीमारी के कारणों और उससे बचाव की विस्तृत जानकारी दी।काउंसलर उमा चौहान ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जागरूकता ही इस बीमारी का सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने विशेष रूप से सचेत किया कि इलाज या इंजेक्शन लगवाते समय कभी भी पुरानी या उपयोग की जा चुकी सिरिंज का प्रयोग न होने दें। किसी भी दुर्घटना या बीमारी में खून चढ़वाने से पहले यह पूरी तरह सुनिश्चित कर लें कि वह रक्त सरकारी या मान्यता प्राप्त ब्लड बैंक से ही लाया गया, शेविंग या बाल कटवाते समय हमेशा नए ब्लेड का ही उपयोग करवाए।

सीएचसी अछनेरा: बूंद-बूंद पानी को तरसे मरीज

अछनेरा। कस्बा स्थित सीएचसी में सोमवार को अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। अस्पताल में पिछले 15 दिनों से पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके चलते इलाज कराने आ रहे मरीज बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। मजबूरन मरीजो बाजार से महंगे दामों पर पानी खरीदना पड़ रहा है। सीएचसी पर प्रतिदिन करीब दो सौ मरीज अपनी बीमारियों का इलाज कराने आते हैं। अस्पताल में रजिस्ट्रेशन से लेकर डॉक्टर को दिखाने और दवा लेने तक में मरीजों को कम से कम दो से तीन घंटे का समय लग जाता है। भीषण गर्मी मे इतनी देर तक बिना पानी के बैठना महिलाओ,बच्चों और बुजुर्गों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। अस्पताल परिसर में लगे वाटर कूलर और टंकी शॉपीस बनी हुई है। ज्यादातर गरीब लोगों ही अस्पताल में दवा लेने आते है। मरीज जितेंद्र निवासी पुरामना, बीपी ठाकुर निवासी रायभा, सकील निवासी रायभा ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा यहां मुफ्त इलाज की आस में आते हैं, लेकिन यहां आकर उन्हें पानी पर अलग से पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।जनहित में सुधार की मांग विगत दो सप्ताह से चल रही इस गंभीर समस्या की ओर स्थानीय स्वास्थ्य प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। मरीजों और स्थानीय नागरिकों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि सीएचसी अछनेरा में तत्काल पीने के पानी की व्यवस्था को सुचारू किया जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले मरीजों को इस परेशानी से राहत मिल सके। सीएचसी अधीक्षक नीरज कुमार ने बताया मेरे संज्ञान में मामला आया है। जल्द आरओ प्लांट को सही कराया जायेगा।

अछनेरा में निकाली भगवान शिव की झांकी

शोभायात्रा में भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

कस्बा अछनेरा में सोमवार को भगवान शिव महादेव की एक भव्य और आकर्षक झांकी निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे कस्बे में भारी उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला।भजनों पर थिरके श्रद्धालु झांकी के दौरान पूरा कस्बा भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा। ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजे की मधुर धुनों पर कस्बा वासी खुद को थिरकने से रोक नहीं पाए। महिला-पुरुष और बच्चों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने नाच-गाने के साथ शिव आराधना की और उत्सव का आनंद लिया। जगह-जगह हुआ स्वागतकस्बे के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी इस झांकी का स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम ने पूरे अछनेरा कस्बे को शिवभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस और वॉलिंटियर्स भी मुस्तैद रहे। इस मोके पर सीताराम सारस्वत, दाऊ वर्मा, लालो वर्मा, प्रवीन बिंदल, गोविंद शर्मा, अमित अग्रवाल, आशू अग्रवाल, राहुल वर्मा, पप्पू अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बारिश में एक्सप्रेसवे पर धंसी सड़क

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सड़क बारिश के चलते 5 फीट धंस गई है। इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 35.300 पर बारिश के चलते सड़क में एक गहरा गड्ढा हो गया तथा बारिश के कारण करीब 5 फीट किनारे की मिट्टी धंस गई है। जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।

वाहन चालकों का कहना है कि रात्रि के समय घर किसी वाहन चालक ने किनारे पर वाहन खड़ा किया तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता हैं, क्योंकि सड़क में जिस जगह गड्ढा हो गया है। उसके नीचे काफी दूर तक मिट्टी नहीं है। सड़क नीचे खोखला हो गई है। वहीं एक्सप्रेस वे पर जगह-जगह जाली टूटी हो होने के कारण एक गाय एक्सप्रेसवे के ऊपर अचानक से चढ़ गई। जिससे कई वाहन गाय से टकराने से बच गए। एक्सप्रेसवे पर टीमें पेट्रोलिंग करती है। लेकिन करीब आधा घंटे तक एक्सप्रेसवे गाय घूमती रही लेकिन कोई टीम नहीं पहुंची कि गाय को नीचे से उतारा जाए। वाहन चालकों ने पशु चरा रहे लोगों को आवाज देकर बुलाया। तब गाय को लेने एक महिला बच्चे के साथ एक्सप्रेसवे पर पहुंची और गाय को पकड़कर ले गई। कुछ महिला एक्सप्रेसवे डिवाइडर पर घास काटती नजर भी आई। वहीं सड़क पार करते समय हादसा भी हो सकता है। वहीं कार्यदायी संस्था की लापरवाही के चलते आवारा पशु व ग्रामीण महिलाएं रोजाना एक्सप्रेसवे पर आसानी चढ़ जाते है। पूर्व में कई हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।

खेरागढ़ थाने में हुई पीस कमेटी की बैठक

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसीपी प्रीता दुबे ने की। इसमें कस्बे के वरिष्ठ नागरिकों, संभ्रांत एवं सम्मानित लोगों के साथ पुलिस-प्रशासन के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था और आपसी भाईचारा बनाए रखने को लेकर चर्चा की गई। एसीपी प्रीता दुबे ने कहा कि सभी लोग त्योहारों को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाली गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी। वहीं बैठक में मौजूद कस्बे के गणमान्य लोगों ने पुलिस-प्रशासन को शांति व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान लोगों ने क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को भी अधिकारियों के समक्ष रखा इस दौरान थाना प्रभारी हरीश कुमार शर्मा, एसएसआई अनुज कुमार शर्मा, एसआई बरदानी माधव गर्ग, भूरा मिर्जा, शाहरुख बैग, लाला खान सहित गण मान्य लोग उपस्थित रहे।

कंस मेले में आए सुनामी और छिपकली झूले

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

जन्माष्टमी के अवसर पर कस्बे में प्राचीन काल से लगने वाला ऐतिहासिक कंस मेला इस बार भी धूमधाम से शुरू हो गया है। ब्लॉक कार्यालय के निकट स्थित मेला ग्राउंड में आयोजित यह मेला आगामी 15 सितंबर तक चलेगा। मेले में पहली बार आए विभिन्न प्रकार के झूले और मीना बाजार लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेला प्रबंधक अरविंद पाठक ने बताया कि क्षेत्रवासियों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए इस बार मेले में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

फतेहाबाद में पहली बार आए सुनामी झूला, छिपकली झूला और ब्रेक डांस झूला युवाओं और बच्चों को खूब लुभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त बच्चों के मनोरंजन के लिए एक दर्जन से अधिक छोटे-बड़े झूले, खिलौनों की दुकानें और तरह-तरह के आइटम मेले में लगाए गए हैं। महिलाओं की खरीदारी के लिए मेले में विशेष मीना बाजार सजाया गया है, जहां चूड़ियां, कपड़े और गृहस्थी के सामान की दुकानें सजी हैं। वहीं विभिन्न प्रकार के खान-पान के व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। मेला प्रबंधक पाठक ने कस्बावासियों व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से परिवार सहित मेले में पहुंचकर ऐतिहासिक आयोजन का आनंद उठाने की अपील की है।

TNF® TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

पत्रकार परिषद का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

माल रोड स्थित बीडी जैन पीजी डिग्री कॉलेज में पत्रकार परिषद उत्तर प्रदेश, आगरा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं दाल-बाटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकार परिषद से जुड़े पदाधिकारियों, सदस्यों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ ताज प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर एवं चित्र पर माल्यार्पण करके किया। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर शुरू हुआ। महादेव, पार्वती और राधा कृष्ण के स्वरूप में कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का मन मोह लिया। वहीं भजनों की प्रस्तुतियों पर लोग झूमते और आनंद लेते नजर आए। इस अवसर पर पत्रकार परिषद उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि दाल-बाटी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के बीच आपसी भाईचारे और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में विजय अग्रवाल, मनोज मिश्रा, केपी सिंह, वीरेंद्र गोस्वामी, राजकुमार अग्रवाल, सत्येन्द्र पाठक, अशोक कुमार राठी, जगत नारायण शर्मा, सुभाष कुमार, मयंक अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, पराग सिंघल, संजय खंडेलवाल, डेविड कर्नेलियस, अशोक कुमार चंदन, भावनदास लालवानी, राकेश शर्मा, अमन सिंह, राम माहौर, विजेन्द्र कुमार, विकास अग्रवाल, दीपक जैन, बॉबी अग्रवाल, अभय मंगल सहित अनेक पत्रकार एवं उनके परिवारजन मौजूद रहे।

ताजमहल तक लगाई दंडवत परिक्रमा

गंगाजल चढ़ाने जा रहे हिंदू महासभा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सावन माह के अंतिम और चौथे सोमवार को हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने बाबा मनकामेश्वर नाथ मंदिर से ताजमहल तक दंडवत परिक्रमा शुरू की। हाथों में केसरिया ध्वज, शिवलिंग और बाबा अमरनाथ से लाया गया पवित्र जल लिए, कार्यकर्ता हर-हर महादेव के जयघोष के साथ ताजमहल की ओर बढ़े। दंडवत परिक्रमा का नेतृत्व हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अज्जू चौहान ने किया। नीतेश भारद्वाज और जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने दंडवत परिक्रमा की। जबकि हिंदू महासभा के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनका उत्साह बढ़ाने के लिए साथ चलते रहे। इस दौरान महिलाओं की भी मौजूदगी रही।

मंडी चौराहे के पास पहुंचते ही पुलिस ने परिक्रमा कर रहे हिंदू महासभा कार्यकर्ताओं को रोक दिया। ताजमहल की ओर आगे बढ़ने को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच गहमा-गहमी हुई। कार्यकर्ताओं ने आगे जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने ताजमहल की प्रतिमूर्ति पर शिवलिंग स्थापित कर पूजा-अर्चना की। मीरा राठौर ने शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित किया। धूप-दीप जलाकर विधि-विधान से पूजा की गई। इस दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजता रहा। पूरे घटनाक्रम के बीच हिंदू महासभा ने प्रशासन पर भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया। हिंदू महासभा के प्रदेश प्रवक्ता अवतार सिंह गिरने ने कहा कि एक देश में दो कानून नहीं चल सकते। उनका आरोप है कि एक विशेष वर्ग को ताजमहल परिसर में धार्मिक आयोजन, चादरपोशी और भंडारे की अनुमति दी जाती है। जबकि हिंदूवादियों को पूजा-अर्चना की अनुमति नहीं दी जाती। अवतार ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि एक वर्ग को धार्मिक गतिविधियों की अनुमति मिल सकती है तो हिंदू समाज को पूजा-अर्चना से क्यों रोका जाता है? अवतार सिंह ने कहा कि जहां ताजमहल परिसर में सिगरेट तक ले जाने पर प्रतिबंध है। वहीं उनके आरोप के अनुसार उर्स के दौरान मांस केवल परोसा ही नहीं जाता, बल्कि परिसर में पकाए जाने की भी बात सामने आती है। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अज्जू चौहान ने कहा कि संगठन कई दशकों से ताजमहल को तेजोमहालय बताते हुए वहां गंगाजल अर्पित करने का प्रयास करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा कि एफआईआर से हिंदूवादी भयभीत होने वाले नहीं हैं। राम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदूवादियों ने पहले भी पुलिस कार्रवाई का सामना किया है।

अज्जू चौहान ने कहा कि ताजमहल तेजो महालय था, है और रहेगा। जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कहा कि हिंदू महासभा का यह सिलसिला यहीं खत्म नहीं होगा।

ट्रेन में चेन खींचने पर 123 लोगों पर कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के दिशा निर्देशन में आगरा मंडल में 1 अगस्त से 23 अगस्त तक बिना उचित कारण अलार्म चेन खीचने वाले 123 लोगों पर कार्यवाही करके जुर्माना भी वसूला गया। जिसमे आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर 42, आगरा किला स्टेशन पर 06, मथुरा जंक्शन पर 57, अछनेरा स्टेशन पर 06, कोसीकलां पर 07 व धौलपुर स्टेशन पर 03 लोगों पर कार्यवाही कर जुर्माना वसूला गया। आगरा मण्डल सभी रेल उपयोगकताओं के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है। इस अभियान के अंतर्गत आगरा मंडल के विभिन्न रेल खंडों, प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रेनों में नियमित रूप से सघन जांच, निगरानी एवं जागरूकता गतिविधियाँ की जा रही हैं। जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ ट्रेनों के समयबद्ध एवं निर्बाध संचालन को बनाए रखा जा सके। अलार्म चैन पुलिंग का स्टेशनो पर निरंतर उद्घोषणा की जा रही है और बैनर पोस्टर के माध्यम से प्रचार किया जा रहा है कि अनावश्यक चैन पुलिंग ना करें। ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उक्त कृत्य से आपके साथी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नव प्रवेशित छात्रों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा कॉलेज के इंजिनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय* में सत्र 2026-27 में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सीके गौतम, डॉ. एसके पांडेय तथा संकाय के संयोजक डॉ. यादवेन्द्र शर्मा व डॉ. आरके शर्मा के द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुस्कान शर्मा ने सरस्वती वंदन किया। अतिथि परिचय इंजिनियरिंग संकाय के संयोजक डॉ. यादवेन्द्र शर्मा ने किया।

उन्होंने सभी अतिथियों एवं नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. आरके शर्मा ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताया कि ये कार्यक्रम 5 दिन चलेगा। प्रो. एसके पांडेय ने आगरा कॉलेज के 204 वर्षो से अधिक के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। डॉ. अनुज पाराशर ने इंजिनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय की उपलब्धियों और विभाग के योगदान की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. सीके गौतम ने इंजिनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम, व्यावहारिक उपयोगिता एवं भविष्य में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। तृतीय व द्वितीय वर्ष के मेधावी छात्रों कुशाग्र द्विवेदी, मुस्कान शर्मा, दृष्टि रावत, अंश अग्रवाल, कुश द्विवेदी, मृत्युंजय, मानवी, अमन आदि अपने शैक्षणिक एवं प्रयोगशाला अनुभव नव प्रवेशित विद्यार्थियों के साथ साझा किए। डॉ. अमित रावत ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग के डॉ अनुराग शर्मा, डॉ. धीरेन्द्र अग्रवाल, डॉ अश्वनी गुप्ता, डॉ. अंशुल अग्रवाल, डॉ. अर्पिता गुप्ता बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रिमझिम फुहार के बीच सीनियर सिटीजन ने की मस्ती

आगरा। रिमझिम फुहारों और सुहाने मौसम के बीच निखिल गार्डन ग्रीन पार्क फेस-2, ताजनगरी में सीनियर सिटीजन समिति की ओर से मौसम का मिजाज उत्साहपूर्वक मनाया गया। एक ही छतरी के नीचे साथ-साथ बैठे वरिष्ठजनों ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए गीत-संगीत,अंताक्षरी और हंसी-खुशी के पलों का आनंद लिया। कार्यक्रम में सदस्यों ने झिमझिम गिरे सावन, सुलग-सुलग जाए मन...ह जैसे पुराने गीतों की मधुर धुनें छेड़ीं और जमकर आनंद लिया। इसके बाद सभी ने दाल-बाटी सहित विभिन्न व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर अरुण यादव, सुरेंद्र सिंह लाडी, श्याम भोजवानी, जेपी पचौरी, जगदीश सिंह यादव, सुरेंद्र सिंह लवली, दीपक जैन, प्रदीप बंसल, राजकुमार जैन, संजय सिंह, स्वर्णकौर, हरजिंदर कौर, चाँदनी भोजवानी सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए एड्स के प्रति किया जागरूक

आगरा। आइक्यूएसी, सघन जागरूकता अभियान उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति लखनऊ, एसएन हॉस्पिटल आगरा एवं बालिका हेल्थ क्लब के संयुक्त तत्वावधान में बीडी जैन गर्ल्स पीजी कॉलेज में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एड्स के प्रति जागरूक करना, इससे संबंधित भ्रांतियों को दूर करना तथा बचाव एवं सावधानियों के प्रति सजग करना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। छात्राओं ने प्रभावशाली संवाद एवं अभिनय के माध्यम से एड्स के कारणों, बचाव के उपायों तथा इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि उसके प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग का भाव रखना चाहिए। नुक्कड़ नाटक ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें एड्स से संबंधित सही जानकारी प्राप्त करने तथा जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। एसएन मेडिकल कॉलेज की काउंसलर शबनम खान ने छात्राओं को एड्स से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी दी। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर वंदना अग्रवाल एवं बालिका हेल्थ क्लब की प्रभारी प्रोफेसर शुभलेश कुमारी के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रोफेसर अनुपम शेरी, प्रोफेसर किरण सिंह, प्रोफेसर शिखा श्रीधर, प्रोफेसर अनुराधा गुप्ता, प्रोफेसर अनीता रानी, प्रोफेसर नीलम कांत, डॉ प्रविषा पांडे, डॉ अमिता वर्मा, डॉ प्रियंका रानी, डॉ पल्लवी दास गुप्ता, डॉ सुरभि सत्याभा एवं कुमारी अंजली उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अजरा द्वारा किया गया।

मंडल स्तरीय संवाद कार्यक्रम 27 को

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण द्वारा गृह क्रेताओं रियल एस्टेट प्रोमोटर्स एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स को जागरूक करने तथा रियल एस्टेट सेक्टर से संबंधित विषयों पर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से मंडल स्तरीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पूर्व में गोरखपुर, मेरठ एवं वाराणसी मंडलों में मंडल स्तरीय संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से गृह क्रेताओं एवं रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े अन्य हितधारकों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, जिज्ञासाओं एवं सुझावों को समझने तथा रेरा से संबंधित प्रावधानों के प्रति जागरूक करने का

प्रयास किया गया है। इसी क्रम में आगरा मंडल में मंडल स्तरीय संवाद कार्यक्रम दिनांक 27 अगस्त को अपराह्न 03:30 बजे आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। कार्यक्रम में गृह क्रेताओं को उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं रियल एस्टेट परियोजनाओं से संबंधित विषयों पर संवाद एवं समाधान हेतु प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। मंडल स्तरीय संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य गृह क्रेताओं, रियल एस्टेट प्रोमोटर्स एवं अन्य संबंधित हितधारकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े विषयों को समझना, समस्याओं एवं शिकायतों पर संवाद स्थापित करना तथा रेरा से संबंधित प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

महाराजा अग्रसेन बने सुनील और माधवी बनी आरती

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अग्रमिलन समिति की ओर से अग्रसेन जयंती के महाराजा अग्रसेन और महारानी माधवी के स्वरूपों की घोषणा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षक प्रदीप अग्रवाल, अजय गोयल, गिरीश किशोर, संजीव गर्ग, पृथ्वीनाथ अग्रवाल और पार्षद कंचन बंसल ने अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर किया।

समिति अध्यक्ष पवन बंसल ने बताया कि अग्रकुल के प्रवर्तक और समाजवाद के प्रेणता महाराजा अग्रसेन की 5150वीं जयंती की तैयारियां कर्मयोगी क्षेत्र में शुरू हो गयी है। 11 अक्टूबर को कर्मयोगी चौराहा पर अग्रोहा धाम सजाया जायेगा और अग्रसेन जयंती निकाली जाएगी। समिति के पदाधिकारियों ने महाराजा अग्रसेन बने सुनील अग्रवाल और महारानी माधवी बनी

आरती अग्रवाल का उनके निवास पर जा कर पगड़ी व माला पहना कर स्वागत सम्मान किया। महाराजा अग्रसेन सुनील अग्रवाल ने कहा कि मेरे पिछले जन्म में कुछ अच्छे कर्म रहे होंगे जो इस बार का कर्मयोगी क्षेत्र से अग्रसेन बनने का सौभाग्य मुझे मिला है। अग्रमिलन का आजीवन ऋणी रहूँगा जो उन्होंने मुझे इतना बड़ा सम्मान दिया। इस अवसर पर महामंत्री संजय अग्रवाल तोता भाई, कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, दिनेश मंगल, सुमित गर्ग, मनोज गर्ग, संचित अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, शिल्पी, अंजलि, संगीता, कविता, अनिता, ममता, गुनगुन, शिवानी आदि मौजूद रहे।

राखी बांध भाई-बहन के प्रेम का दिया संदेश

आगरा। लायंस क्लब आधार की ओर से विजयनगर कॉलोनी स्थित प्राथमिक विद्यालय में रक्षाबंधन से पूर्व राखी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व है। त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक होती हैं, जब उन्हें मिल-बांटकर मनाया जाए और समाज के हर वर्ग को इसमें सहभागी बनाया जाए। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों को राखियां वितरित कर रक्षाबंधन की परंपरा और इसके भावनात्मक महत्व के बारे में जानकारी दी। राखियां पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रत्येक बच्चे को एक-एक राखी प्रदान की गई। इस अवसर पर सचिन, राहुल गुप्ता, मीत अग्रवाल, रिंकी मित्तल, ओमपाल, संजीव जैन, दिनेश शर्मा, प्रतीक अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, नेहा जैन, लक्ष्मी शर्मा आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने जाने साइबर ठगी से बचने के उपाय

डिजिटल दुनिया में जरा सी चूक पड़ सकती है भारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनहित सामाजिक सेवा संस्थान एवं साइबर क्राइम, उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में मॉडर्न एस.एस. पब्लिक स्कूल, कर्मयोगी एन्क्लेव, कमला नगर में साइबर सुरक्षा एवं छात्र जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को डिजिटल युग में सुरक्षित रहने और साइबर अपराधों से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए।

कार्यक्रम में संस्था की संस्थापक एवं महासचिव सोनी त्रिपाठी, अध्यक्ष सरिता तिवारी, फ्लाई इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष किरन कुमार, एड. डॉ. हेमेन्द्र पाठक, साइबर क्राइम सेल के उपनिरीक्षक मयंक चौधरी, दीपिका सिरोही तथा रितु, विशेष छात्र सुरक्षा विशेषज्ञ पवन गुप्ता और विख्यात त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

पर निजी जानकारी साझा करने में सावधानी, संदिग्ध लिंक और साइबर ठगी से बचाव, डिजिटल अरेस्ट जैसे नए साइबर अपराधों की पहचान तथा धमकी या उत्पीड़न वाले कॉल से निपटने के तरीके बताए। इसके साथ ही एंटी-बुलिंग, पॉक्सो एक्ट और विद्यालय एवं समाज में सुरक्षित वातावरण बनाए रखने की जानकारी भी दी गई। वास्तविक घटनाओं और उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया कि सतर्कता ही साइबर सुरक्षा का सबसे बड़ा हथियार है।

विद्यालय की निदेशिका सुरभि गर्ग, प्रबंधक अभिषेक गर्ग और प्रधानाचार्य रजत गर्ग ने कहा कि शिक्षा के साथ साइबर जागरूकता और नैतिक मूल्यों का विकास भी बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीक का सदुपयोग करने, अनुशासन का पालन करने तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों वातावरण में सुरक्षित एवं संवेदनशील व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करने, किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की सूचना अभिभावकों एवं शिक्षकों को देने तथा समाज में साइबर जागरूकता फैलाने में सहयोग करने का संकल्प लिया।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

श्री महालक्ष्मी मंदिर में पांच दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 1 सितंबर से

टीएनएफ टुडे, आगरा।

यमुना तट बल्केश्वर स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर एक बार फिर श्रीकृष्ण भक्ति के रंग में सराबोर होने जा रहा है। श्री देवी जी ट्रस्ट एवं श्री महालक्ष्मी भक्त मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 18वां श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 1 से 5 सितंबर तक पांच दिवसीय भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के दौरान मेहंदी उत्सव, म्यूजिक भजन कंसर्ट, निशान यात्रा, सतरंगी पोशाक यात्रा, भव्य भजन संध्या, फूल बंगला, छप्पन भोग और विशाल श्याम रसोई सहित अनेक आयोजन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

महोत्सव के आमंत्रण पत्र का विमोचन सोमवार को वॉटर वर्क्स स्थित अतिथि वन में किया गया। श्री देवी जी ट्रस्ट के राम मोहन कपूर, सतीश गोपाल कपूर, अपिल कपूर, तुषार कपूर एवं संजय कपूर ने मां महालक्ष्मी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री महालक्ष्मी भक्त मंडल के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि लगातार 18वें वर्ष आयोजित होने वाला यह महोत्सव आगरा के श्रद्धालुओं के लिए श्रीकृष्ण भक्ति, आस्था और उत्सव का विशेष अवसर होगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव की तैयारियां 29 अगस्त को भट्टी पूजन के साथ प्रारंभ होंगी। इसके बाद 1 सितंबर को भूमि पूजन कर महोत्सव की औपचारिक आधारशिला रखी जाएगी।

महामंत्री मनोज जैन एवं कोषाध्यक्ष अशोक सिंघल ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत 2 सितंबर को मंदिर परिसर में ह्यकान्हा के नाम की मेहंदीह्न का आयोजन होगा। इस बार मेहंदी महोत्सव के साथ पहली बार म्यूजिक भजन कंसर्ट भी आयोजित किया जा रहा है, जो शाम 7 बजे से शुरू होगा। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वल्लभा बैंड अपनी शानदार प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे।

निशान यात्रा में उमड़ेगा भक्ति का सैलाब 3 सितंबर को प्रातः 7 बजे निशान यात्रा आयोजित होगी। श्रद्धालु निशान लेकर बल्केश्वर महादेव मंदिर से जीवनी मंडी स्थित श्री खाटू श्याम जी मंदिर तक यात्रा में शामिल होंगे। पूरे मार्ग में निशान यात्रा का पुष्पवर्षा एवं इत्रवर्षा से भव्य स्वागत किया जाएगा।

इसी दिन शाम 6 बजे राधानगर से श्री महालक्ष्मी मंदिर तक पोशाक यात्रा निकाली जाएगी। इस वर्ष मां महालक्ष्मी को अर्पित की जाने वाली विशेष पोशाक का वजन 11 किलो होगा। वृंदावन से विशेष रूप से तैयार होकर आ रही यह पोशाक सतरंगी रंगों और आकर्षक कढ़ाई से सुसज्जित होगी।4 सितंबर को सजेगा भव्य श्याम दरबार

4 सितंबर की शाम भक्ति संगीत से सजेगी। प्रख्यात गायक बजराज सिंह लक्खा, कानपुर की शर्मा सिस्टर्स बेटू एवं आल्या शर्मा अपनी भजन प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर करेंगी। इस अवसर पर मंच पर श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा, जिसकी विशालता 40.100 फीट होगी। श्याम बाबा का विशेष श्रृंगार पंडित सीताराम शर्मा द्वारा किया जाएगा।इसी दिन मां महालक्ष्मी का भव्य फूल बंगला वाटिका की थीम पर सजाया जाएगा और मां को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। 5 सितंबर को 7000 से अधिक श्रद्धालुओं के लिए श्याम की रसोई महोत्सव के अंतिम दिन 5 सितंबर को 7000 से अधिक श्रद्धालुओं के लिए विशाल श्याम की रसोई आयोजित की जाएगी। इसके लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं, ताकि महोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं भोजन की सुचारु व्यवस्था उपलब्ध हो सके।ये रहे उपस्थित आमंत्रण पत्र विमोचन कार्यक्रम में पवन जैन, विनोद राठौर, मनीष गुप्ता, हेमेन्द्र मोहता, रोहित अग्रवाल, रोहित गोयल, अंशु मित्तल, अजय अग्रवाल, अखिलेश गुप्ता, संजय शर्मा पंडित जी, सुशील गुप्ता, राकेश अग्रवाल, दिलीप भंडारी, अमित मित्तल, सुमित अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, आदर्श नंदन गुप्ता, भोलानाथ अग्रवाल, मनीष गोयल, बंटी पाल, हरिओम बाबा पार्षद, दयाल कालरा, ध्रुव, निर्भय मित्तल, अतुल अग्रवाल, मनीष कोड इंडिया, दीपक ढल, रमाकांत पंडित जी, कुशल बंसल, गौरव अग्रवाल, कौशल बंसल आदि उपस्थित रहे।

गाँव-गाँव खेल अभियान की शुरूआत, स्कूलों में खेल मैदानों का निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, फतेहपुर सीकरी।

ग्रामीण क्षेत्र की छिपी खेल प्रतिभाओं को तलाशने, उन्हें प्रशिक्षण देने और बड़े मंच तक पहुँचाने के उद्देश्य से बिल्ड फॉर सक्सेस डिग्री कॉलेज कराही द्वारा ह्लगाँव-गाँव खेल अभियानह्न की शुरूआत की गई है।

इसी अभियान के तहत आज ग्राम पंचायत चुरियारी के डडुकरा स्थित शंकर लाल जूनियर हाई स्कूल तथा जहानपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट, जहानपुर, फतेहपुर सीकरी का दौरा किया गया। इस दौरान कॉलेज की टीम ने विद्यालयों के खेल मैदानों का निरीक्षण किया और बच्चों के लिए खेल सुविधाओं एवं अभ्यास की संभावनाओं का जायजा लिया।

कॉलेज के चेयरमैन सरपंच विश्वेंद्र कुमार ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि गाँव के हर बच्चे को खेल का अवसर मिले और उसकी प्रतिभा को सही दिशा मिले। पहले गाँव और स्कूल स्तर पर बच्चों को खेलों की तैयारी कराई जाएगी। इसके बाद हर तीन माह में बिल्ड फॉर सक्सेस डिग्री कॉलेज में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिल सके।

अभियान के अंतर्गत गाँव और स्कूलों में कबड्डी, वॉलीबॉल, क्रिकेट, खो-खो, लंबी कूद, ऊँची कूद सहित अन्य खेलों की तैयारी कराई जाएगी। बच्चों को नियमित अभ्यास के साथ प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा और प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान की जाएगी।

कॉलेज की ओर से बच्चों को सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं और खेलों में मिलने वाले अवसरों की जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही सरकारी स्तर पर होने वाले ट्रायल एवं चयन प्रक्रियाओं में बच्चों को भाग लेने के लिए तैयार करने और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन देने का कार्य भी बिल्ड फॉर सक्सेस डिग्री कॉलेज द्वारा किया जाएगा।

कॉलेज चेयरमैन सरपंच विश्वेंद्र कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें सही मैदान, प्रशिक्षण और अवसर देने की है। इसी सोच के साथ कॉलेज गाँव-गाँव पहुँचकर बच्चों को खेलों से जोड़ने का कार्य करेगा।

किसान का बेटा बना सिरमौर गीतों का

कला को मंच चाहिए, पर पैतृक मिट्टी की खुशबू कभी नहीं छूटती: गीतकार सुरेश जादौन

टीएनएफ टुडे, मुंबई/आगरा।

उत्तर प्रदेश के बाह (बटेश्वर) क्षेत्र के एक छोटे से गाँव से निकलकर मायानगरी मुंबई में 'केसीएफ बॉलीवुड लीजेंड फिल्म फेस्टिवल 2026' में 'बॉलीवुड लीजेंड' अवार्ड जीतने वाले गीतकार सुरेश जादौन आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उनके गीत 'जिंदगी सत्य है, मृत्यु भी सत्य है' ने संगीत जगत में धूम मचा दी है। हाल ही में हमारे संवाददाता ने उनसे उनके पैतृक स्थल, उनके संघर्ष और बाह क्षेत्र से होने वाले पलायन पर एक विशेष बातचीत की। प्रस्तुत हैं मुख्य अंश:प्रश्नः सुरेश जी, मुंबई में इतना बड़ा सम्मान मिलने के बाद कैसा महसूस हो रहा है? और अपनी इस यात्रा की शुरूआत के बारे में कुछ बताइए।सुरेश जादौनः सच कहूँ तो यह सब एक सपने जैसा लगता है। जब डॉ. कृष्णा चौहान, दिलीप सेन और अली खान जैसी बॉलीवुड की दिग्गज हस्तियों ने मुझे मंच पर सम्मानित किया, तो मेरी आँखों में मेरा पूरा अतीत तैर गया। मेरी शुरूआत बहुत साधारण रही। मैं आगरा जिले के बाह क्षेत्र के बटेश्वर के पास ग्राम पंचायत फरेरा (झांडे की गढ़ी गाँव) का रहने वाला हूँ। मेरा परिवार एक किसान परिवार है, जहाँ खेती-किसानी ही जीवन का मुख्य आधार है। मिट्टी से जुड़ाव और ग्रामीण परिवेश ने ही मेरे भीतर के लेखक और गीतकार को जगाया।प्रश्नः आपके पैतृक स्थल 'बाह और बटेश्वर' का आपके लेखन पर क्या प्रभाव रहा है?सुरेश जादौनः बटेश्वर की अपनी एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है। वहाँ के मंदिर, यमुना का किनारा और वहाँ की शांति में एक अलग ही संगीत है। मेरा गाँव 'झांडे की गढ़ी' मेरी आत्मा है। जब मैं खेतों में काम करता था, तो प्रकृति के बीच मुझे शब्दों की प्रेरणा मिलती थी। मेरे हालिया गीत 'जिंदगी सत्य है, मृत्यु भी सत्य है' में जो दार्शनिक सोच है, वह उसी मिट्टी और जीवन के संघर्षों से उपजी है। गाँव की सादगी और वहाँ के लोगों का निश्छल प्रेम ही मेरी लेखनी की ताकत है।प्रश्नः एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल, बाह क्षेत्र से युवाओं और विशेषकर कलाकारों के पलायन (माइग्रेशन) की क्या वजह है? आपने खुद बाह क्यों छोड़ा?सुरेश जादौनः यह एक बहुत ही कड़वा सच है और मेरे दिल के बहुत करीब है। बाह क्षेत्र प्रतिभाओं से भरा पड़ा है, लेकिन वहाँ बुनियादी सुविधाओं और अवसरों की भारी कमी है। यदि कोई युवा संगीत, अभिनय या लेखन में करियर बनाना चाहता है, तो बाह या आगरा में उसके लिए कोई बड़ा प्लेटफॉर्म, रिकॉर्डिंग स्टूडियो या फिल्म इंडस्ट्री का इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है।कलाकारों को अपनी कला को निखारने और उसे दुनिया के सामने लाने के लिए मजबूरी में महानगरों (जैसे दिल्ली या मुंबई) का रुख करना पड़ता है। मैंने भी जब महसूस किया कि मेरे गीतों को एक बड़ा मंच चाहिए, तो मुझे अपनी पैतृक भूमि को छोड़ना पड़ा। पलायन कोई शौक नहीं, बल्कि पेट पालने और अपने सपनों को जिंदा रखने की एक मजबूरी है। जब तक हमारे स्थानीय स्तर पर कला और रोजगार के साधन विकसित नहीं होंगे, यह पलायन थमेगा नहीं।प्रश्नः भविष्य को लेकर आपकी क्या योजनाएँ हैं? क्या आप मुंबई के ही होकर रह जाएँगे?सुरेश जादौनः मुंबई ने मुझे नाम और सम्मान दिया है, इसलिए कर्मभूमि के रूप में यह हमेशा महत्वपूर्ण रहेगी। भविष्य में मैं बॉलीवुड के कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा हूँ और कुछ नए गीतों की रिकॉर्डिंग पाइपलाइन में है। लेकिन मैं अपनी जड़ों को कभी नहीं भूल सकता। मेरा लक्ष्य है कि मैं भविष्य में बाह और आगरा के स्थानीय कलाकारों के लिए कुछ कर सकूँ। मैं एक ऐसा जरिया बनना चाहता हूँ जिससे हमारे क्षेत्र के ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए भटकना न पड़े। मैं अक्सर अपने गाँव जाता रहता हूँ और आगे भी जाता रहूँगा।प्रश्नः हमारे पाठकों और बाह क्षेत्र के उभरते हुए कलाकारों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?सुरेश जादौनः मैं बस यही कहूँगा कि अपनी परिस्थितियों को कभी भी अपने सपनों के आड़े मत आने दीजिए। अगर एक किसान का बेटा मुंबई जाकर बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड जीत सकता है, तो आप भी कुछ भी हासिल कर सकते हैं। अपनी कला पर भरोसा रखिए, कड़ी मेहनत कीजिए और चाहे आप दुनिया के किसी भी कोने में पहुँच जाएँ, अपनी मिट्टी और पैतृक संस्कारों को हमेशा याद रखिए।

तहसील बाहः एक और पुल, एक और बदनामी का दाग

टीएनएफ टुडे, बाह।

अभी उसैत घाट पुल का विवाद थमा भी नहीं था कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर चंबल नदी पर बने अटेर पुल की बदहाली ने यूपी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बनकर तैयार, फिर भी बंद

उत्तर प्रदेश के बाह से मध्य प्रदेश के अटेर को जोड़ने वाला पुल साल 2017 से ही पूरी तरह बनकर तैयार है। मध्य प्रदेश सरकार ने अपने हिस्से का निर्माण समय पर पूरा कर लिया और नदी के डूब क्षेत्र में भी काम मुकम्मल हो गया। इसके बावजूद, उत्तर प्रदेश के वन विभाग (डीएफओ) द्वारा सेंचुरी एरिया की जमीन पर आपत्ति लगाने के कारण इस पुल को जनता के लिए शुरू नहीं किया जा सका है। ब्रिज कॉरपोरेशन के अभियंताओं के मुताबिक, वे पिछले 9 सालों से काम पूरा करके हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं और अब मामला सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के पेच में उलझा हुआ है।

रेत माफिया का दुस्साहस...

पुल के शुरू न होने का फायदा उठाकर चंबल के रेत माफिया भी सक्रिय हो गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, जब जनता ने इस अधूरे मार्ग से अस्थाई रूप से निकलना शुरू किया, तो माफियाओं ने उत्तर प्रदेश की सीमा के पोल के आगे गहरी खाई खोद दी। इस दुस्साहस के कारण वाहनों का निकलना तो दूर, पैदल चलना भी मुहाल हो गया। प्रशासनिक अनदेखी का आलम यह है कि आज तक इस बात की जांच नहीं हुई कि यह खाई किसने खोदी।

सरकारी उदासीनता बनाम जनता का संघर्ष

इस प्रशासनिक विफलता के बीच जनता के संघर्ष की एक अनोखी तस्वीर भी सामने आई है। खाई पार करने के लिए पहले बांस की नसैनी (सीढ़ी) लगाई गई थी। बाद में, जब अटेर में इसे लेकर धरना शुरू हुआ, तो एक दानदाता ने वहां लोहे की सीढ़ी बनवा दी ताकि राहगीर किसी तरह जान जोखिम में डालकर निकल सकें। मध्य प्रदेश शासन के कई प्रतिनिधि धरना स्थल तक आए और चले गए, लेकिन उत्तर प्रदेश शासन और स्थानीय प्रशासन ने इस गंभीर समस्या की सुध लेना तक मुनासिब नहीं समझा।

नीतिगत विरोधाभासः कब जागेगी सरकार?

यह बेहद हैरान करने वाला है कि एक ही चंबल नदी पर बने दो अलग-अलग पुलों पर एक जैसी ही समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जहां एक ओर उसैत घाट की लाइन क्लियर होने में 40 साल लग गए, वहीं अटेर पुल का यह गतिरोध पिछले 18 वर्षों से (योजना से लेकर अब तक) घिसट रहा है।

दोनों राज्यों के बीच समन्वय की कमी और उत्तर प्रदेश वन विभाग का अड़ियल रवैया इस क्षेत्र के विकास के लिए अभिशाप बन चुका है।

गुम हुआ मोबाइल फोन बरामद, पुलिस ने शिकायतकर्ता को सौंपा

टीएनएफ टुडे, फतेहपुर सीकरी।

थाना पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन को तकनीकी सहायता और सीईआईआर पोर्टल की मदद से बरामद कर शिकायतकर्ता को सौंप दिया। मोबाइल वापस मिलने पर शिकायतकर्ता ने पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस के अनुसार ग्राम कीली खाना निवासी महेंद्र कुमार पुत्र मूला लाल ने 8 अगस्त को अपना मोबाइल फोन गुम होने के संबंध में थाना फतेहपुर सीकरी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मोबाइल फोन की तलाश शुरू की।

पुलिस टीम ने तकनीकी माध्यमों, निगरानी और केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की सहायता से मोबाइल फोन को 23 अगस्त को बरामद कर लिया। इसके बाद बरामद मोबाइल फोन शिकायतकर्ता महेंद्र कुमार को सौंप दिया गया।

थाना पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में तत्काल संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराने के साथ सीईआईआर पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करें ।

ताले तो गुल होने ही थे साहब!

भैया, अलीगढ़ के ताले तो गुल होने ही थे। जब देश की राजनीति में मयार्दा, वादे और ईमान पर से 'ताले' गायब हो चुके हों, तो बेचारे लोहे के तालों को कौड़ी के भाव बिकना ही था। अब तो बाजारों में ताले नहीं बिकते, अब तो लोकतंत्र के सबसे बड़े बाजार में नए-नए 'राजनीतिक आले' (नेताओं के जुगाड़ और नए ठिकाने) सज रहे हैं।

सुनिए मंच की शैली में यह तीखा कटाक्षः

1. जब रक्षक ही 'ताला तोड़' बन जाए

पुराने जमाने में ताला घर की हिफाजत के लिए खरीदा जाता था। आज राजनीति का नया 'आला' ऐसा आया है जो खुद को जनता का चौकीदार कहता है, लेकिन मौका मिलते ही विपक्ष की पूरी पार्टी का ताला तोड़कर तिजोरी साफ कर देता है। अलीगढ़ के कारीगरों को अब लोहा गलाना बंद कर देना चाहिए। उन्हें नेताओं के पास जाकर 'पार्टी कैसे गलाई जाती है और रातों-रात नया पाला कैसे बदला जाता है' इसकी ट्यूशन लेनी चाहिए।

2. 'मौसम वैज्ञानिक' नेता और गिरगिटिया चाबी

पहले एक ताले की एक ही चाबी होती थी, जिसे वफादारी कहते थे। आज के नए नवेले नेताओं के पास ऐसी 'डिजिटल चाबी' है, जो हवा का रुख देखकर अपना साइज बदल लेती है।

सुबहः विचारधारा का ताला ठोक कर भाषण देंगे।

दोपहरः लंच के समय दूसरी पार्टी के आलाकमान से गुप्त 'चाबी' सेट करेंगे।

शामः नया 'आला' (गठबंधन) बनाकर टीवी पर मुस्कुराते हुए नजर आएंगे।

इनके लिए अलीगढ़ का ताला बेकार है, इन्हें तो बस 'कुर्सी का फेविकोल' चाहिए!

3. लोकतंत्र का नया 'शोरूम'

कारीगर रो रहा है कि उसकी फैक्टरी बंद हो रही है। अरे नेताजी कह रहे हैं–₹मूर्ख! फैक्टरी बंद करके हमारे 'राजनीतिक शोरूम' में आ जाओ।

यहाँ पांच साल में एक बार वादों का ऐसा ताला बनाया जाता है, जिसे जनता चाहकर भी आरटीआई की चाबी से नहीं खोल सकती। इस नए आले में केवल एक ही चीज सुरक्षित है–नेताजी का भविष्य, और एक ही चीज लावारिस है– जनता का भरोसा।

4. आखिरी चोट (मंचीय निष्कर्ष)

ताला चाबी का धंधा इसलिए गुल है क्योंकि अब देश में 'चोरी' छुपकर नहीं, बल्कि 'जनादेश' के नाम पर डंके की चोट पर होती है। जब डाकू खुद ही कोतवाल बन बैठे, तो जनता बेचारी घर में ताला लगाकर भी क्या सुरक्षित रखेगी? अब तो बस पाले बदले जा रहे हैं, नए-नए आले सज्ल्ली रहे हैं, और अलीगढ़ का असली ताला कोने में बैठकर रो रहा है कि काश! मैंने लोहे की जगह नेताओं की चमड़ी सी ली होती, तो आज मेरी भी राजनीति में भारी डिमांड होती!

चालिहा साहिब समापन पर गूंजे झूलेलाल के भजन

आगरा। झूलेलाल चालिहा साहिब के 40 दिवसीय आयोजन के समापन पर कृष्णा कॉलोनी गेट के बाहर विशाल पंडाल में भव्य-दिव्य भजन समागम आयोजित किया गया। रंग-बिरंगे फूलों और गुब्बारों से सजे फूल बंगले में विराजमान भगवान श्री झूलेलाल जी के मनोहारी बहराणा साजिब के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, कार्यक्रम में सर्व समाज के श्रद्धालुओं ने भी सहभागिता की,दीप प्रज्वलन व गणेश वंदना के साथ भजन समागम शुरू हुआ। प्रसिद्ध भजन गायक किशोर हीरानी, संजय रामचंदानी व हरीश बलेचा, बाबू भगत, नारू भगत ने झूलेलाल के भजनों की प्रस्तुतियां देकर वातावरण भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर जय झूलेलाल प्रसाद सेवा परिवार की ओर से भक्तों का पटका व टोपी पहनाकर सम्मान किया गया। समापन पर आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने मीठे चावल, छोले-राजमा चावल, पूरी-सब्जी व मिल्क रोज का प्रसाद ग्रहण किया। समाजसेवी श्याम भोजवानी ने कहा कि 40 दिवसीय चालिहा साहिब का आयोजन आस्था, सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक रहा,सिंधी समाज के साथ सर्व समाजों, की सहभागिता ने आयोजन की भावना को और मजबूत किया।भगवान झूलेलाल जी सभी जय झूलेलाल प्रसाद सेवा परिवार पर अपनी कृपा बनाए रखें।

...नहीं निपट रही दाखिल खारिज की पत्रावलियां

बाह। तारीख पर तारीख.... कोर्ट ही नहीं, दाखिल खारिज की अविवादित पत्रावलियों का भी बाह तहसील में यही हाल है। बार एसोसिएशन बाह के पूर्व अध्यक्ष जमीर हुसैन ने डीएम से की शिकायत में कहा है कि बाह तहसील में 3-4 महीने में निस्तारित होने वाली दाखिल खारिज की पत्रावलियों का 2 साल में भी निस्तारण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि कई पत्रावलियों पर 100 से ज्यादा तारीखें पड़ चुकी हैं। लेकिन खतौनी में अमल दरामद नहीं हो सकी है। निजी कम्प्यूटर ऑपरेटर आदेशों में गलतियां कर रहे हैं। जिसका खामियाजा ग्रामीण किसानों को भुगतना पड़ रहा है। कई चक्कर काटने के बाद भी गलतियों में सुधार नहीं हो रहा है। जब अधिवक्ता ग्रामीण किसानों के हक में खड़े होते हैं तो विवाद की स्थिति पैदा कर दी जाती है। उन्होंने सभी प्रकरणों की जांच कर निस्तारण कराने के साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

सागौन के हरे पेड़ों पर चली आरी

फतेहाबाद। कस्बा फतेहाबाद के तहसील रोड पर खेत मालिक ने चार सागौन के पेड़ों पर खरी चलवाई गई सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने लकड़ी को जब्त किया गया। फतेहाबाद के तहसील रोड पर खेत मालिक ने चार हरे सागौन के पेड़ों को रात्रि में कटवा दिया। सोमवार सुबह सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कटी हुई लकड़ी को अपने में कब्जे में ले लिया है। क्षेत्र में आए दिन हरे पेड़ों पर आरी चल रही है। जहां लगातार हरे पेड़ काटने की शिकायत होने के बावजूद भी वन विभाग वन माफिया पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। वन क्षेत्राधिकारी फतेहाबाद विशाल राठौर ने बताया कि खेत मालिक ने चार सागौन के पेड़ों को काट दिया है। सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और कटी हुई लकड़ी को जब्त कर लिया गया है। यदि खेत मालिक फाइन भर देता है। तो ठीक है नहीं तो मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

कमांडेंट ने कैडेट को पढ़ाया देशभक्ति का पाठ

बाह। दामोदर इंटर कॉलेज होलीपुरा एवं आशाराम रतनलाल इंटर कॉलेज जरार में सोमवार को 1-यूपी बटालियन के कमांडेंट कर्नल दीपक जुआल ने एनसीसी कैडेट्स को देश भक्ति का पाठ पढ़ाया, सेना में कैरियर बनाने के टिप्स दिए। उन्होंने कैडेट्स को बताया कि एनसीसी सी सर्टिफिकेट एवं प्रथम श्रेणी में स्नातक युवाओं को बिना लिखित परीक्षा के सशस्त्र सीमा बल में अधिकारी बनने का अफसर मिलता है। सैनिक, अर्द्ध सैनिक बल एवं अग्निवीर भर्ती में एनसीसी ए, बी, सी सर्टिफिकेट पर लिखित परीक्षा में अतिरिक्त बोनस अंक मिलते हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेटों के लिए अनुशासन, समर्पण और कड़ी मेहनत सफलता की पहली सीढ़ी है। वास्तविक जीवन जीने का आनंद तब आयेगा, जब आप देश की सेवा के लिए सशस्त्र बलों में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर निरंतर मेहनत करें, तो देश की रक्षा करने वाली विभिन्न सेनाओं और सुरक्षा बलों में अपना बेहतर भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने दोनों कॉलेजों के कार्यालय एवं अभिलेखों की पड़ताल की। निर्धारित फायरिंग रेंज का जायजा लिया। विजिटर बुक पर उन्होंने बीहड़ क्षेत्र के कॉलेजों की व्यवस्थाओं की सराहना की। इस दौरान होलीपुरा में प्रधानाचार्य आरके शर्मा, एनसीसी अधिकारी दिलीप कुमार और भूपेंद्र सिंह तथा जरार में प्रधानाचार्य एवं एनसीसी अधिकारी मेहदी हसन, हिमांशू शर्मा, प्रिंस सिंह, नीलम शर्मा आदि रहे।

बारिश से उफने तालाब, रास्तों, घरों, खेतों में भरा पानी

बाह। जैतपुर और बाह क्षेत्र के बारिश से उफनाए तालाबों से बस्ती की गलियां ही नहीं, रास्ते भी जलमग्न हो गये हैं। जलमग्न रास्तों का पानी घरों और खेतों में भरने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। रजपुरा के मजरा पुरा तेजसिंह में तालाब का पानी गांव के रास्ते पर भर गया है। किसान बैजनाथ सिंह के खेत में रास्ते का पानी भरने से फसल नष्ट होने की स्थिति पैदा हो गई है। वह उफनाए रास्ते के पानी को रोकने में जुटे रहे। भाकियू नेता डॉ. राधेश्याम ने बताया कि गांव के प्राथमिक विद्यालय के प्रवेश द्वार तक पानी भरा है। गांव की गलियों में पानी बह रहा है। ब्लॉक प्रशासन ने पानी निकासी का आश्वासन दिया है। जैतपुर के उदयपुर कला गांव के अजय भदौरिया ने बताया कि ढेरों शिकायत के बाद भी गांव के तालाब की सफाई नहीं हुई। नतीजतन सोमवार को तालाब का पानी गलियों में घरों की देहरी तक भर गया है। धनियापुरा गांव के तालाब की सफाई न होने की बजह से बस्ती के घर की देहरी तक पानी भर गया है। धोबई गांव के तालाब का पानी गांव की गलियों में बह रहा है। फरैरा, सहाबरायपुरा के तालाब का पानी बस्ती में भर गया है। पुरा खुमान गांव के तालाब का पानी फिर से स्कूल के रास्ते पर भर गया है। गांव गांव तालाब के पानी की निकासी एवं सफाई की मांग की जा रही है। जलभराव से बढ़ी मुश्किलों से बच्चों के हादसे के खतरे ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है।

बिजली चोरी रोकने को तीन गांवों में छापा, 5 पर मुकदमा

आगरा। बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बिजली विभाग की टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। अभयपुरा बिजली घर के अंतर्गत आने वाले ग्राम सन्नपुरा, तेजसिंह पुरा और पुरा बाघराज में चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान कटिया डालकर और मीटर से बाईपास कर की जा रही बिजली चोरी के मामले पकड़े गए। विभाग की ओर से कार्रवाई करते हुए विद्युत चोरी अधिनियम की धारा में 5 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस दौरान टीम में अवर अभियंता राजकुमार, उपेंद्र कुमार, आनंद मिश्रा मौजूद रहे। विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

तहसीलदार हरिशंकर दुबे को विदाई

खेरागढ़। तहसील खेरागढ़ में करीब एक वर्ष तक नायब तहसीलदार के पद पर सेवाएं देने वाले हरिशंकर दुबे को पदोन्नति के बाद भावभीनी विदाई दी गई। पदोन्नति के बाद उन्हें जौनपुर तहसीलदार के पद पर नई जिम्मेदारी मिली है। विदाई समारोह में तहसील के अधिकारियों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों ने उन्हें सम्मानित कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने करीब एक वर्ष के कार्यकाल में हरिशंकर दुबे ने राजस्व से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामलों के निस्तारण के साथ ही विभिन्न विवादों के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्य के प्रति उनकी तत्परता और आम लोगों के प्रति सहज व्यवहार की क्षेत्र में सराहना हुई। सहकर्मियों ने उन्हें सौम्य, मृदुभाषी और मिलनसार अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करने का अनुभव हमेशा यादगार रहेगा। इस अवसर पर कानूनगो अनिरुद्ध सिंह, शिवराम सिंह,अनिल कुमार बित्थरीया, मनोज तोमर, लेखपाल महेश यादव,सूरज मुद्गल, संजीव यादव अंकित, अजय बघेल, उमेश गर्ग सहित ग्राम प्रधान , शिक्षकगढ़ और तहसील के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

101 लीटर की कांवड़ लेकर 72 घंटे में पहुंचे शिवभक्त

पिनाहट। कस्बे के राजाखेड़ा मार्ग स्थित तिवारी गार्डन परिसर के वनखंडेश्वर शिव मंदिर पर सोमवार को शिवभक्तों ने 101 लीटर कांवड़ से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। करीब 180किलोमीटर की दूरी तय कर 72 घंटे में कांवड़ लेकर पहुंचे शिवभक्तों के पहुंचने पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। शिवभक्तों ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। जलाभिषेक के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

सम्पादकीय

कीमत अदाइगी पर मौन

हम पत्रकार से स्वतंत्र रहने, सत्ता से प्रश्न पूछने और सच बोलने की उम्मीद करते हैं; लेकिन जब उसकी स्वतंत्रता का मूल्य चुकाने की बारी आती है, तो सरकार, विपक्ष और समाज—तीनों पीछे हट जाते हैं! सरकार को अपनी बात जनता तक पहुँचाने के लिए पैसा देना पड़े, यह समझ में आता है। लेकिन जनता की ओर से सरकार से प्रश्न पूछने वाले पत्रकार को स्वतंत्र रहने के लिए पैसा कौन देगा—यह प्रश्न हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कहीं बड़ा है! बिहार सरकार ने सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों पर वीडियो बनाने वाले एम्पैनल्ड सोशल मीडिया क्रिएटर्स के लिए व्यूज के आधार पर भुगतान की व्यवस्था को मंजूरी दी है। उपलब्ध विवरण के अनुसार पात्र वीडियो को हर एक लाख व्यूज पर 10 हजार रुपये तक और एक वीडियो पर अधिकतम एक लाख रुपये तक का भुगतान मिल सकता है; व्यूज की गणना और सत्यापन की प्रक्रिया भी निर्धारित की गई है। सरकार का तर्क सीधा है—डिजिटल माध्यमों की पहुंच का उपयोग करके सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए। इसमें प्रथमदृष्ट्या में गलत क्या है? सरकार जनता को अपनी योजनाओं की जानकारी देना चाहती है, डिजिटल क्रिएटर उसे लोगों तक पहुंचाएगा और उसके काम के बदले भुगतान मिलेगा। बाजार की भाषा में यह बिल्कुल सामान्य व्यवस्था है। लेकिन लोकतंत्र बाजार से थोड़ा अलग होता है। यहां प्रश्न केवल यह नहीं होता कि किसे कितना पैसा मिला; प्रश्न यह भी होता है कि पैसा मिलने से उसकी आवाज किस दिशा में मुड़ सकती है। एक लाख रुपये का असली मूल्य उसके नोटों में नहीं, उसके प्रभाव में है। किसी पत्रकार से यह कहने की आवश्यकता नहीं कि सरकार की आलोचना मत करो। उसे बस इतना कह दीजिए कि सरकार की योजनाओं पर ऐसा वीडियो बनाओ जिससे व्यूज आएं और हर एक लाख व्यूज पर दस हजार रुपये मिलेंगे। फिर देखिए, सेंसर की आवश्यकता कितनी बचती है। आदमी के भीतर बैठा छोटा-सा आर्थिक गणित कई बार बाहर बैठे बड़े सेंसर से अधिक प्रभावी होता है।

जहां प्रश्न पूछने से कुछ नहीं मिलता और सरकार की उपलब्धि बताने से पैसा मिलता है, वहां धीरे-धीरे प्रश्न कम नहीं होते; प्रश्न पूछने की कीमत बढ़ जाती है। यही इस व्यवस्था का सबसे गंभीर पक्ष है। सरकार यह नहीं कह रही कि केवल प्रशंसा करो। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि इस योजना से हर क्रिएटर बिक जाएगा। ऐसा निष्कर्ष तथ्य से आगे निकल जाना होगा। कोई पत्रकार सरकारी योजना की जानकारी लेते हुए उसकी कमियां भी बता सकता है। कोई क्रिएटर पैसा लेकर भी स्वतंत्र रह सकता है। भुगतान अपने आप में भ्रष्टाचार का प्रमाण नहीं है। लेकिन लोकतंत्र केवल वास्तविक सेंसरशिप से नहीं बचता। वह हितों के टकराव से भी बचाया जाता है। आज सरकारी योजना का प्रचार करने पर पैसा है। कल सरकार की किसी नीति की आलोचना करने पर क्या होगा? क्या उस आलोचना के लिए भी उतना ही संस्थागत समर्थन होगा? अगर कोई पत्रकार सरकार की योजना की जांच करके बताए कि पैसा कहां खर्च हुआ, लाभार्थी तक पहुंचा या नहीं, भ्रष्टाचार हुआ या नहीं, आंकड़े सही हैं या नहीं—तो क्या उसे भी वही आर्थिक सुरक्षा मिलेगी? या फिर व्यवस्था का संदेश इतना भर होगा—सरकार के बारे में बोलिए, सरकार की तरफ से बोलिए; बस सरकार के विरुद्ध बोलते समय अपनी जेब देख लीजिए। यहीं से मामला बिहार की एक सोशल मीडिया नीति से निकलकर भारतीय पत्रकारिता की उस पुरानी बीमारी तक पहुंच जाता है, जिसका इलाज आज तक किसी सरकार ने गंभीरता से नहीं खोजा—स्वतंत्र पत्रकारिता आखिर जिएगी कैसे? बड़े मीडिया संस्थानों के पत्रकारों की अपनी समस्याएं हैं, लेकिन सबसे कठिन स्थिति उस पत्रकार की है जो छोटे शहर, कस्बे या गांव में कलम-कैमरा लेकर निकलता है। उसके पास न बड़ी संस्था का कानूनी विभाग है, न सुरक्षा तंत्र, न स्थायी वेतन, न आर्थिक संकट के समय कोई सुरक्षा कवच। वह भ्रष्टाचार पर खबर करता है तो सामने केवल अधिकारी या नेता नहीं होता; कई बार स्थानीय दबंग, कारोबारी, राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक दबाव भी होता है। पत्रकारों की सुरक्षा समिति (#उढख) की पुरानी जांचों ने भी दर्ज किया है कि भारत में भ्रष्टाचार और राजनीति पर रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों में छोटे शहर और ग्रामीण पत्रकार विशेष जोखिम में रहे हैं।

60 घंटे सीक्रेट मूवमेंट

पाकिस्तान में आखिर चल क्या रहा है? पिछले करीब 60 घंटों में तुर्की के सैन्य विमानों की लगातार आवाजाही ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या भारत के खिलाफ कोई प्लान तैयार हो रहा है या फिर बलूचिस्तान में कुछ बड़ा होने वाला है? 19 अगस्त से 21 अगस्त के बीच तुर्की एयरफोर्स के उ130 हर्कुलिस मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमानों ने तुर्की और पाकिस्तान के बीच कई उड़ाने भरी। सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात है कि इन विमानों को पाकिस्तान के दो बेहद अहम सैन्य ठिकानों रावलपिंडी के पास नूरखान एयरबेस और कराची के मशहूर एयरबेस पर आते-जाते देखा गया। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि विमान पाकिस्तान क्यों आए? सवाल यह है कि विमानों में क्या आया?सवाल उठ रहा है कि यह हथियार और ड्रोन आखिर किस मोर्चे के लिए तैयार किए जा रहे हैं? भारत की सीमा, बलूचिस्तान का इलाका या फिर पाकिस्तान किसी बड़े क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। इस पूरे मामले में पूर्व सैन्य अधिकारी और सुरक्षा मामलों के जानकार लकी बिष्ट के बयान का भी जिक्र जरूरी है। लकी बिष्ट ने पाकिस्तान, तुर्की की बढ़ती सैन्य नजदीकियों और ड्रोन क्षमता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उनका मानना है कि पाकिस्तान की इन तैयारियों को सामान्य सैन्य खरीद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और भारत को हर गतिविधि पर करीबी नजर रखनी होगी। दरअसल नूर खान एयरबेस और मसूर एयरबेस पर इन विमानों की बार-बार मौजूदगी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह दोनों पाकिस्तान के बेहद महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने हैं। तो आखिर 19 से 21 अगस्त के बीच ऐसा क्या पहुंचाया गया जिसके लिए तुर्की के सैन्य विमानों को लगातार पाकिस्तान के चक्कर लगाने पड़े?

-अनाम

चौराहे पर बांग्लादेश: बदलाव, अनिश्चितता और नई राह की तलाश

> "जब एक लंबा राजनीतिक ढांचा अचानक ढह जाता है, तो देश में एक बड़ा राजनीतिक शून्य पैदा हो जाता है। बांग्लादेश वर्तमान में इसी शून्यता से जूझ रहा है। अवामी लीग के कमजोर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियां राजनीतिक पटल पर फिर से सक्रिय हो गई हैं। इस चौराहे पर खड़ा बांग्लादेश अगर सही दिशा में कदम बढ़ाना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना होगा।

अशोक भाटिया

बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक ऐसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है, जिसे कूटनीतिक और राजनीतिक विश्लेषक 'चौराहे' का नाम दे रहे हैं। सत्ता के तख्तापलट, व्यापक छात्र आंदोलनों और एक दीर्घकालिक शासन के अचानक अंत के बाद, यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र वर्तमान में एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जब कोई देश ऐसे चौराहे पर खड़ा होता है, तो सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न यही उठता है कि 'जाए तो जाए कहां?' क्या यह देश एक पूर्ण, पारदर्शी और समावेशी लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा, या फिर यह राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक मंदी और आंतरिक संघर्षों के एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस जाएगा जिससे निकलना आने वाले दशकों तक मुश्किल हो जाएगा? यह संपादकीय इसी गंभीर प्रश्न के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है, जिसमें राजनीतिक पुनर्गठन, प्रशासनिक चुनौतियां, आर्थिक संकट, सामाजिक ताना-बाना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जटिल समीकरण शामिल हैं।

जब एक लंबा राजनीतिक ढांचा अचानक ढह जाता है, तो देश में एक बड़ा राजनीतिक शून्य पैदा हो जाता है। बांग्लादेश वर्तमान में इसी शून्यता से जूझ रहा है। अवामी लीग के कमजोर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियां राजनीतिक पटल पर फिर से सक्रिय हो गई हैं। इस चौराहे पर खड़ा बांग्लादेश अगर सही दिशा में कदम बढ़ाना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना होगा। देश में एक ऐसे स्वतंत्र और शक्तिशाली चुनाव आयोग की आवश्यकता है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों और आम जनता को पूरा भरोसा हो। अतीत में चुनावों की निष्पक्षता पर लगे दागों को धोना इस नए आयोग की सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

इसके साथ ही, केवल सरकार बदल देना काफी नहीं है। जब तक पुलिस, न्यायपालिका और नौकरशाही का राजनीतिकरण बंद नहीं होगा, तब तक किसी भी नए लोकतांत्रिक ढांचे की नींव कमजोर ही रहेगी। अंतरिम सरकार ने इसके लिए विभिन्न आयोगों का गठन किया है, लेकिन इन सुधारों को जमीन पर उतारना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। देश में एक ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार करना होगा जहां हर विचारधारा को अपनी बात रखने का मौका मिले, बशर्ते वह लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में हो। प्रतिशोध की राजनीति को छोड़कर समावेशी राजनीति को अपनाना ही बांग्लादेश को इस चौराहे से सुरक्षित बाहर निकाल सकता है।

राजनीतिक उथल-पुथल का सबसे सीधा और गहरा असर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। बांग्लादेश, जो कभी विकास दर के मामले में दक्षिण एशिया का चमकता सितारा माना जाता था, आज गंभीर आर्थिक चुनौतियों से घिरा हुआ है। लंबे समय तक चले कर्फ्यू, हड़तालों, इंटरनेट शटडाउन और कारखानों के बंद रहने के कारण देश की आर्थिक रीढ़ को भारी नुकसान पहुंचा है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य स्तंभ उसका रेडीमेड गारमेंट उद्योग है। देश के कुल निर्यात का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है और यह लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार देता है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण कई विदेशी खरीदारों ने अपने ऑर्डर वियतनाम, भारत और कंबोडिया जैसे देशों की तरफ मोड़ दिए हैं। अगर बांग्लादेश को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाना है, तो उसे जल्द से जल्द इन कारखानों में पूर्ण सुरक्षा और निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित करना होगा ताकि वैश्विक बाजारों में उसका खोया हुआ भरोसा वापस लौट सके।आम नागरिक के लिए सबसे बड़ी समस्या रसोई का बजट और रोजगार है। आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतें और दैनिक जीवन का खर्च आम जनता के धैर्य की परीक्षा ले रहा है। छात्र आंदोलन की मुख्य मांग ही रोजगार के समान अवसर और कोटा प्रणाली में सुधार थी। अब जब नई व्यवस्था आ चुकी है, तो युवाओं को रोजगार के वास्तविक अवसर प्रदान करना सरकार के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि युवाओं की उम्मीदें निराशा में बदलीं, तो सामाजिक अशांति का एक नया दौर शुरू हो सकता है।

किसी भी देश की प्रगति उसके सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा पर टिकी होती है। सत्ता परिवर्तन के बाद के हफ्तों में बांग्लादेश ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भारी शिथिलता देखी। पुलिस थानों पर हमले, पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति और प्रशासनिक पंगुता के कारण देश में एक प्रकार की अराजकता की स्थिति पैदा हो गई थी। हालांकि धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन पूरी तरह से सुरक्षित माहौल का निर्माण होना अभी बाकी है। इस बदलाव के दौर में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय, के खिलाफ हिंसा और उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं। हालांकि नागरिक समाज और छात्रों ने इन संपत्तियों की रक्षा के लिए मानव श्रृंखलाएं बनाईं, लेकिन इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश की छवि को प्रभावित किया है। एक धर्मनिरपेक्ष और समावेशी बांग्लादेश का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक, चाहे उसका धर्म या जाति कुछ भी हो, खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करे।

इसके अलावा, अतीत के शासकों और उनके समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना स्वाभाविक है, लेकिन यह कार्रवाई न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि प्रतिशोध की भावना से। यदि नई व्यवस्था भी वही गलतियां दोहराती है जो पुरानी व्यवस्था ने की थीं, तो देश में लोकतंत्र का आगमन केवल एक छलावा बनकर रह जाएगा। समाज में शांति और स्थिरता तभी लौट सकती है जब लोगों को यह विश्वास हो कि नई सरकार निष्पक्षता और न्याय के पथ पर चल रही है।चौराहे पर बांग्लादेश, जाए तो जाए कहां?" इस प्रश्न का उत्तर किसी एक व्यक्ति या एक सरकार के पास नहीं है। इसका उत्तर बांग्लादेश की सामूहिक चेतना, उसके राजनीतिक दलों की परिपक्वता और उसके युवाओं के संकल्प में छिपा है। बांग्लादेश के पास इतिहास रचने और एक नए, समृद्ध व लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभरने का यह एक अभूतपूर्व अवसर है। लेकिन इस मार्ग पर चलते हुए उसे अति-राष्ट्रवाद, प्रतिशोध की राजनीति, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक कुप्रबंधन के गड्ढों से बचना होगा।

इस चौराहे से आगे बढ़ने का केवल एक ही सही रास्ता है: एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना जहां कानून का शासन सर्वोपरि हो, जहां अर्थव्यवस्था का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, और जहां हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मिले। दुनिया उम्मीद और कौतूहल के साथ बांग्लादेश की ओर देख रही है, और यह समय बांग्लादेश के नेतृत्व के लिए अपनी दूरदर्शिता और दृढ़ता साबित करने का है।

अचानक मोदी के लिए क्या तोहफा लेकर भारत आ रहे पुतिन?

देवेश

दुनिया की नजरें टिकी है सिर्फ और सिर्फ भारत पर क्योंकि बहुत जल्द दिल्ली की धरती पर वो हलचल मचने वाली है जिसकी गूंज सीधे बीजिंग और वाशिंगटन तक सुनाई देगी। रूस के राष्ट्रपति पुतिन एक बार फिर भारत आ रहे हैं और वह भी महज 9 से 10 महीने के भीतर। जैसे ही यह खबर बाहर आई ग्लोबल पॉलिटिक्स में भूचाल आ गया है और वजह बिल्कुल साफ है। सितंबर के महीने में भारत में सजने जा रहा है ब्रिक्स का ऐसा महामंच जो दुनिया का पूरा पावर बैलेंस बदल कर रख देगा। दरअसल आपको बता दें कि 12 से 13 सितंबर को दिल्ली में ब्रिक्स का बड़ा सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन खुद भारत आ रहे हैं। आपको बता दें कि इस दौरे पर दोनों देशों के बीच दो बहुत बड़े रक्षा सौदों पर मोहर लग सकती है जो दुश्मन के होश उड़ाने के लिए काफी है। रूस आपको बता दें कि भारत के सामने एक बहुत बड़ा ऑफर रखने वाला है। इसके तहत भारतीय वायु सेना के 100 से ज्यादा Sukhoi 30 फाइटर जेट्स को आधुनिक बनाया जाएगा और साथ ही रूस अपनी पांचवी पीढ़ी का सबसे खतरनाक स्टेल्थ फाइटर 57 भी भारतको देने की पेशकश कर सकता है।

चीन और पाकिस्तान की चालबाजी। चीन अपना स्टेल्थ फाइटर पहले ही तैनात कर चुका है। और पाकिस्तान को भी ऐसी तकनीक दे रहा है। तो दूसरी तरफ भारत का अपना पांचवा जनरेशन का फाइटर जेट एएमसीए साल 2032 तक ही तैयार हो पाएगा। और इसी बीच देश की सुरक्षा को मजबूत रखना बेहद जरूरी है। याद रखिए साल 2018 में भारत इस प्रोजेक्ट से अलग हो गया था। लेकिन अब वक्त बदल चुका है। रूस का यह Sukoi 57 फाइटर जेट रफ्तार के मामले में अमेरिका के ऋ35अ से भी 25% ज्यादा तेज है। वहीं आपको यह भी बता दें कि इसके पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। जब दोनों देशों ने अपनी दोस्ती के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया था और अब सितंबर 2026 में उनका यह दौरा एशियाई राजनीति का पूरा नक्शा बदल कर रख देगा।

कुरील द्वीप यात्रा पर

रूस के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जापान के राजदूत को तलब करके राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कुरील द्वीप समूह की यात्रा की निंदा किए जाने पर विरोध जताया। कुरील प्रशांत महासागर में रूस के नियंत्रण वाला द्वीप समूह है, जबकि जापान भी इस पर दावा करता है। पिछले सप्ताह पुतिन ने इस द्वीप समूह के चार सबसे दक्षिणी द्वीपों में से एक इटुरुप का दौरा किया था।जापान इसे अपना उत्तरी क्षेत्र कहता है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में सोवियत संघ ने इन द्वीपों को जापान से अपने कब्जे में ले लिया था। इस विवाद के कारण दोनों देश अब तक औपचारिक रूप से शांति संधि पर हस्ताक्षर नहीं कर पाए हैं।

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि पुतिन की यह यात्रा 'उत्तरी क्षेत्रों पर जापान के रुख के अनुरूप नहीं है' और 'पूरी तरह अस्वीकार्य' है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के मुद्दे को लेकर दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंधों को इस यात्रा से और नुकसान पहुंचा है तथा मॉस्को को इसके परिणाम समझने चाहिए। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने कहा कि जापान इटुरुप की पुतिन की यात्रा का 'कड़ा विरोध' करता है।

मंगलवार को रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल गालुजिन ने जापानी राजदूत अकीरा मुतो को तलब कर-के ताकाइची तथा मोतेगी के ह्यह्यरूस विरोधीह्लह्ल बयानों पर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, गालुजिन ने मुतो से कहा, ह्यह्यदक्षिणी कुरील द्वीपों पर रूस की संप्रभुता और अधिकार क्षेत्र पूरी तरह निर्विवाद है।

रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल गालुजिन ने मॉस्को में जापानी राजदूत अकीरा मुतो को तलब कर वहां के नेतृत्व द्वारा दिए गए बयानों पर कड़ा ऐतराज जताया। राष्ट्रपति पुतिन के इटुरुप द्वीप दौरे के बाद टोक्यो ने इस यात्रा को अस्वीकार्य बताया था। द्वितीय विश्व युद्ध के समय से चले आ रहे इसी प्रादेशिक विवाद के चलते दोनों देशों ने अब तक औपचारिक शांति संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 26 अगस्त 2026 बुधवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृषभ मिथुन सिंह तुला और धनु राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश तथा बुद्धि के प्रदाता बुध देव की उपासना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन गणेश जी को दूर्वा दल अर्पित करने तथा गणपति अथर्वशीर्ष का वाचन करने से जीवन की समस्त रुकावटें दूर होती हैं और असीम ज्ञान आरोग्यता तथा व्यापारिक सफलता प्राप्त होती है।

मेष

आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यावसायिक साख में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक बढ़ेगा। पुराने अटके हुए काम गति पाएंगे और सोची हुई योजनाएं सफलतापूर्वक क्रियान्वित होंगी। भगवान गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि से जुड़े मामले हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको कोई मुख्य जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन प्रसन्न रहेगा। गणेश चालीसा का पाठ करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। गणपति जी के सम्मुख घी का दीप प्रज्वलित करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

कर्क

आज मानसिक रूप से आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। रिद्धि सिद्धि के दाता को मोदक अर्पित करें जिससे आपकी चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन खरीदते समय अपने बजट का ध्यान रखें और अत्यधिक खर्च पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी मेहनत का बहुत सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। बेसहारा लोगों को भोजन कराएं जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव विस्तृत होगा और उनके कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से रुका हुआ काम पूरा होगा। मंदिर में हरी मूंग की दाल दान करें जिससे आपके भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

आज धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे मन को असीम शांति मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें। संकट नाशन गणेश स्तोत्र का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण थकावट महसूस हो सकती है। संबंधियों के साथ धन का लेनदेन करते समय पूरी सावधानी बरतें। गणेश मंत्र का जाप करें जिससे आपके भीतर नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

आज साझेदारी में चल रहे व्यापार में मनोनुकूल प्रगति होगी और नए सहयोगी सम्मिलित होने से काम को एक नई गति प्राप्त होगी। पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा। विघ्नहर्ता गणेश जी को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के कष्ट दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने मामलों में आज आपके पक्ष में कोई सुखद खबर मिल सकती है। पक्षियों को अन्न खिलाएं जिससे आपके मन का भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को कोई महत्वपूर्ण पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान की शिक्षा को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं समाप्त होंगी। मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और साधनों में वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन भवन के उत्तर या ईशान कोण को स्वच्छ रखकर वहां हरे पौधे स्थापित करने तथा हल्दी से स्वास्तिक चिन्ह निर्मित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा श्री गणेश की कृपा से परिवार का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि संवर्धित होती रहती है।

जन्माष्टमी पर आकाश में लीलाएं प्रदर्शित करेंगे 500 ड्रोन

ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा 4 सितंबर को रात 9 से 10 बजे के मध्य कराया जाएगा ड्रोन शो

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में इस बार जन्माष्टमी का उत्सव एक नए और भव्य रूप में नजर आएगा। इस पावन धरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में कंस के कारागार में अवतार लिया था, उसी पवित्र जन्मस्थल की धरती के साथ अब आसमान भी कृष्णमय होगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की रात पहली बार 500 ड्रोन के जरिए भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भव्य दृश्य आसमान में प्रदर्शित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि परिषद श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए लगातार नए प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में 4 सितंबर की रात 9 से 10 बजे के बीच करीब 15 मिनट का ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। 500 ड्रोन आसमान में एक साथ उड़कर भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी लीलाओं से जुड़े दृश्य और

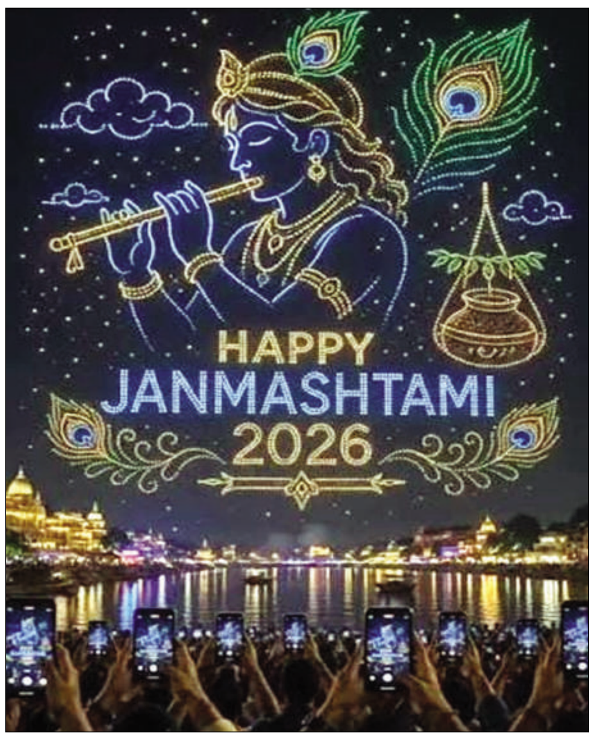

आकृतियां बनाएंगे। यह शो करीब 3 से 4 किलोमीटर की दूरी तक दिखाई देगा। इस तरह जन्मभूमि के आसपास मौजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी आसमान में होने वाली इस अनूठी कृष्ण लीला के साक्षी बन सकेंगे। यहाँ पहुँचने वाले लाखों श्रद्धालुओं को इस बार मथुरा में 500 ड्रोन के माध्यम से कन्हैया के जन्म की लीलाओं को आसमान में देखने का भी अवसर मिलेगा। इस तरह मथुरा की जन्माष्टमी मथुरा में इस बार श्रद्धा, आस्था और आधुनिक तकनीक के अनूठे संगम की साक्षी बनेगी।

अयोध्या, बनारस और सोमनाथ पैटर्न पर होगा ड्रोन शो

धार्मिक आयोजनों में ड्रोन शो का प्रयोग अब नया आकर्षण बन चुका है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया स्थित प्रसिद्ध श्री सांवलिया सेठ मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर ड्रोन शो के जरिए भगवान श्रीकृष्ण की 12 लीलाओं के दृश्य आसमान में प्रदर्शित किए जा चुके हैं। वहीं गुजरात के सोमनाथ मंदिर परिसर में भव्य शो आयोजित हुआ, जिसमें सोमनाथ के इतिहास, भगवान शिव और भारतीय संस्कृति से जुड़े दृश्य आसमान में उकेरे गए। अयोध्या, प्रयागराज और बनारस में भी ड्रोन शो का आयोजन हो चुका है।

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में हिंडोले में विराजे राजाधिराज, भक्तों को दिए दर्शन

मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमारजी महाराज (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के निर्देशानुसार किया जाता है।

इसी परंपरा के तहत आज ठाकुर जी महाराज पवित्रा के हिंडोले में विराजमान हुए। पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर जी को लाड़-लड़ाने के उद्देश्य से घटा और हिंडोले में विराजमान कराया जाता है, और यह क्रम पूरे सावन मास तक जारी रहेगा। मंगलवार के संध्या उद्यापन दर्शन सायं 5 बजे खुलेंगे। शयन दर्शन सायं 7 बजे से 8 बजे तक होंगे, जिसमें ठाकुर जी महाराज लहरिया घटा में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

जन्माष्टमी की व्यवस्थाओं को लेकर नगर आयुक्त से मिले व्यापारी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सोमवार को आगामी रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और राधा अष्टमी जैसे त्योहारों को देखते हुए मथुरा के व्यापारियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल और घिया मंडी व्यवसायी समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय चौहान से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कर उनके समाधान का प्रयास किया गया। व्यापार मंडल के महानगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने बताया कि आगामी त्योहारों पर देश-विदेश से लगभग एक करोड़ श्रद्धालु मथुरा आते हैं। ऐसे समय में पूरे नगर में सड़कों की खराब हालत, जगह-जगह गड्ढे, प्रकाश की अपर्याप्त व्यवस्था और शौचालयों की कमी श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ग्रिड योजना के तहत बन रही सड़कों के साथ दोनों ओर नाली और फुटपाथ का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाए। इसके अतिरिक्त, मसानी चौराहे से भूतेश्वर चौराहे तक की जर्जर सड़क का

तत्काल निर्माण भी अत्यंत आवश्यक है।

घीया मंडी व्यावसायिक समिति के अध्यक्ष अजय खंडेलवाल और महामंत्री धर्मवीर अग्रवाल ने बताया कि रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से विश्व प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर और यमुनाजी जाने के लिए घीया मंडी बाजार से होकर गुजरना पड़ता है। इस बाजार में जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं और पूरे मार्ग पर प्रकाश की उचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि घीया मंडी क्षेत्र में वर्षों पुराना प्याऊ जर्जर अवस्था में है।

इसमें सबमर्सिबल और आरओ प्लांट लगाकर इसका नवनिर्माण तथा व्यापारियों, श्रद्धालुओं और राहगीरों की सुविधा के लिए मूत्रालय की स्थापना बहुत आवश्यक है। साथ ही, अन्य बाजारों की तरह घिया मंडी क्षेत्र में भी रात्रि कालीन सफाई व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और मुख्य अभियंता संजय चौहान ने सभी सुझावों पर तत्काल कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर घीया मंडी व्यवसाय समिति के मंत्री अमित अग्रवाल, संजय शर्मा और कोषाध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

अवैध विज्ञापनों पर नगर निगम का चाबुक, वसूला जुर्माना

- नगर आयुक्त ओजस्वी राज का सख्त आदेश
- न्यू बस स्टैंड से कचहरी तक हटे अवैध पोस्टर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व के दृष्टिगत नगर निगम मथुरा-वृंदावन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज के निर्देशों के क्रम में नगर निगम की टीम ने मथुरा जोन अंतर्गत अवैध होर्डिंग्स, पोस्टर, बैनर एवं अन्य प्रचार सामग्री के विरुद्ध व्यापक और सघन अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 50 हजार का भारी जुमार्ना भी अधिरोपित किया गया।

बिना पूर्व अनुमति सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए अवैध विज्ञापनों को हटाने के लिए नगर निगम की टीम प्रातः काल से ही सड़कों पर उतरी। अभियान के दौरान शहर के मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थलों को अवैध

विज्ञापनों से मुक्त कराया गया। न्यू बस स्टैंड एवं सेंट्रम होटल क्षेत्र,एसबीआई चौराहा से मछली पुल मार्ग,एसएसपी कार्यालय क्षेत्र ,कचहरी के सामने पेट्रोल पंप क्षेत्र में ये कार्यवाही की गई।

नगर निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जन्माष्टमी पर्व पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत हेतु शहर की स्वच्छता, सुंदरता और सुव्यवस्थित स्वरूप को बनाए रखना प्राथमिकता है। यह अभियान पूरे नगर निगम क्षेत्र में आगे भी बिना किसी ढील के निरंतर जारी रहेगा। नगर निगम मथुरा-वृंदावन ने सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों, संस्थानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक संपत्तियों पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार के पोस्टर, बैनर या फ्लेक्स न लगाएं।

महंगाई के विरोध में प्रदर्शन, सरकार की नीतियों पर सवाल

मथुरा। मथुरा में अखिल भारतीय समता फाउंडेशन ने सोमवार दोपहर करीब 2 बजे बढ़ती महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया। फाउंडेशन के रमेश सैनी ने इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की।

प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने चीनी, खाद्य तेल, रसोई गैस, डीजल और पेट्रोल सहित रोजमर्रा की खाने-पीने की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लगातार महंगी होती वस्तुओं के कारण आम आदमी का घरेलू बजट बिगड़ गया है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि सीमित आय में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है, जिसका सबसे अधिक असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। रमेश सैनी और समता फाउंडेशन के महासचिव नरेश चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई आम जनता के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने महंगाई को केंद्र सरकार की नीतियों का दुष्परिणाम बताते हुए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कमी लाने और आम जनता को राहत प्रदान करने की मांग की।

सफाईकर्मी से उलझना पड गया भारी, घर के सामने उड़ेल दी कूडे की गाड़ी

- मथुरा में सफाई कर्मचारी से मारपीट से नाराज कर्मचारियों ने थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सदर बाजार थाना क्षेत्र स्थित औरंगाबाद की कृष्ण धाम कॉलोनी में सोमवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे नगर निगम के एक सफाई कर्मचारी से उलझना भारी पड गया। घटना के बाद आक्रोशित सफाई कर्मचारी कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के साथ सदर बाजार थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पीड़ित सफाई कर्मचारी कृष्ण धाम कॉलोनी में सफाई कार्य कर रहा था। आरोप है कि इसी दौरान

कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति के साथ कहासुनी हो गई। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि उसे गाली दी गई और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अन्य सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंच गए, जिससे वहां काफी भीड़ जमा हो गई। एक दर्जन से अधिक सफाई कर्मचारी अपनी कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के साथ सीधे सदर बाजार थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी सदर बाजार त्रिपुरेश कौशिक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। इस बीच, गुस्साए सफाई कर्मचारियों ने आरोपी के घर के दरवाजे के सामने कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों से कूड़ा भी डाल दिया। सिविल लाइन चौकी प्रभारी मोनू कुमार ने बताया कि पीड़ित सफाई कर्मचारी की ओर से थाने में तहरीर दी गई है। तहरीर में कृष्ण धाम कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति पर मारपीट, गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस तहरीर और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद नगर निगम के सफाई कर्मचारियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। वे आरोपी के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

स्कूली वाहनों की हो नियमित जांच: डीएम

मिशन सेफ फ्यूचर 2.0के संबंध में बैठक संपन्न

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में प्रदेश भर में 11 अगस्त 2026 से 25 अगस्त 2026 तक 15-दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान "मिशन सेफ फ्यूचर 2.0" संचालित किया जा रहा है। इस क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में 'जिला विद्यालय यान परिवहन समिति' की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्कूली वाहनों के संचालन में किसी

भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। जिन विद्यालयों द्वारा अपने स्कूली वाहनों की फिटनेस अभी तक नहीं करायी गई है, वे 03 दिन के अंदर अपने वाहनों की फिटनेस परिवहन कार्यालय से करा लें।

वाहन चालकों के पास कम से कम 5 वर्ष पुराना भारी वाहन चालन लाइसेंस होना चाहिए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने निर्देश दिए कि सभी चालकों का नेत्र परीक्षण समय-समय पर कराया जाए। उनका पुलिस सत्यापन तथा चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है।

बैठक में राघवेन्द्र सिंह जिला विद्यालय निरीक्षक, राजेश राजपूत वरि० सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), सतेन्द्र कुमार सिंह सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), संदीप चौधरी यात्रीकर अधिकारी, श्रीमती पूजा सिंह, यात्रीकर अधिकारी तथा जनपद के विभिन्न विद्यालयों के संचालक/प्रधानाचार्य/प्रबंधक आदि उपस्थित रहे।

जनपद के सभी विद्यालयों में मनाया जाएगा संस्कृत सप्ताह

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा द्वारा श्रावण पूर्णिमा विश्व संस्कृत दिवस पर 25 से 31 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।

इस संबंध में संस्कृत भारती मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। जिसमें मथुरा जनपद के सभी विद्यालयों में संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार और युवाओं में संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से संस्कृत भारती द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह के कार्यक्रमों को अपने अपने विद्यालयों में कराए जाने तथा 25 अगस्त संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ में अपराह्न तीन बजे श्रीराममंदिर अटल्ला चौराहा से वृन्दावन परिक्रमा मार्ग स्थित सोहम् आश्रम तक एवं 31 अगस्त संस्कृत सप्ताह के समापन पर राजकीय इण्टर कॉलेज से प्रातः 11 बजे प्रारंभ होकर होली गेट होकर सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर तक निकलने वाली संस्कृत जागरुकता शोभायात्रा में अधिक से अधिक छात्र छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की गई।

जिस पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने सकारात्मक भूमिका निभाते हुए मथुरा जनपद के सभी विद्यालयों को भारत की सबसे प्राचीन भाषा देववाणी संस्कृत भाषा को ज्ञान व विज्ञान की भाषा बताते हुए संस्कृत सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार करने के निर्देश जारी किए हैं।

कार से 9 लाख नकदी बरामद, 18 बोतल शराब

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

थाना मांट पुलिस टीम ने 18 बोतल (हरियाणा मार्का) गैर प्रान्त की अंग्रेजी शराब व 08 लाख 99 हजार रुपये नगद व तस्करी में प्रयुक्त गाड़ी सफारी सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। थाना मांट पुलिस टीम ने यमुना एक्सप्रेस वे मांट टोल जनपद मथुरा से अभियुक्त संजय कुमार पुत्र दयानन्द सिंह निवासी बनगर थाना दन्नाहार मैनपुरी उम्र 45 वर्ष व अभिषेक उर्फ पवन पुत्र शिव प्रताप सिंह निवासी नोनेर ईश्वपुर थाना दन्नाहार जिला मैनपुरी उम्र करीब 28 वर्ष को 18 बोतल गैर प्रान्त (हरियाणा) की अंग्रेजी शराब व आठ लाख 99 हजार रुपये नगद एवं तस्करी में प्रयुक्त गाड़ी सफारी रंग सफेद एचआर 26 बीएक्स 7941 सहित गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना मांट पर धारा 63 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर अभियुक्तगण के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार थाना मांट, एसआई भुवनेश कुमार दीक्षित थाना मांट आदि पुलिसकर्मी थे।

सावन के अंतिम सोमवार को शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सावन के अंतिम सोमवार पर धर्मनगरी मथुरा शिवमय हो उठी। भगवान भूतेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हाथों में जल, बेलपत्र, दूध और पूजा की थाली लिए भक्त घंटों कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मंदिर परिसर ह्लहर-हर महादेवह्व और ह्लबम-बम भोलेह्व के जयकारों से गूंज उठा। सावन के अंतिम सोमवार का विशेष धार्मिक महत्व होने के कारण मथुरा ही नहीं, बल्कि आसपास के जनपदों से भी हजारों श्रद्धालु भूतेश्वर मंदिर पहुंचे। भक्तों ने भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक कर बेलपत्र, पुष्प, दूध और प्रसाद अर्पित करते हुए परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की। मंदिर के प्रवेश और निकास मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई, जबकि बड़ी संख्या में पुलिस बल और महिला पुलिसकर्मी तैनात रहे। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर विशेष निगरानी रखी गई तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। भूतेश्वर महादेव मंदिर में दिनभर भक्ति, आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। सावन के अंतिम सोमवार पर शिवभक्तों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ महादेव के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

के.एम. विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों व युवा डॉक्टरों ने लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

सकारात्मक सोच और संस्कार से देश को दें नई दिशा: संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

के.एम. विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (जिला मथुरा) के तत्वावधान में युवा संवादः राष्ट्रोत्थान की संघ दृष्टि कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मेडिकल क्षेत्र से जुड़े युवाओं, यूजी-पीजी डॉक्टर्स और छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर राष्ट्र, समाज, संस्कृति और वर्तमान वैश्विक व राष्ट्रीय चुनौतियों पर गहन मंथन किया। कार्यक्रम में आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख पदमजी, संघ विभाग प्रचारक पारस पार्थ सारथीजी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख पदमजी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी समर्थ राष्ट्र के निर्माण में उसकी युवाशक्ति की भूमिका सबसे अहम होती है।

उन्होंने कहा, ष्यदि युवा सकारात्मक सोच, अनुशासन, उच्च संस्कारों और निस्वार्थ सेवा भाव के साथ आगे बढ़ें, तो वे समाज और देश को एक नई सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकते हैं। विभाग प्रचारक पारस पार्थ सारथीजी ने युवा डॉक्टरों व विद्यार्थियों से अपने व्यक्तिगत व व्यावसायिक विकास के साथ-साथ

सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा देश की वास्तविक ताकत और रीढ़ हैं। उन्होंने बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान और डिग्री तक सीमित न रहकर सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को गहराई से समझना चाहिए। युवाओं को समाज सेवा, देश की संप्रभुता, अखंडता और सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

इस युवा संवाद कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विवि के प्रति कुलपति व मेडीकल कालेज के डीन डा. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह, वेटरिनरी रिसर्च सेंटर के डॉ. अशोक कुमार, केएम सिंह के अलावा विवि के विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर तथा बड़ी संख्या में यूजी व पीजी के डॉक्टर-विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सावन का आखिरी सोमवार: मैनपुरी के शिवालयों में उमड़ा जनसैलाब

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे प्राचीन मंदिर

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

सावन मास के अंतिम सोमवार पर मैनपुरी शहर में आस्था का एक भव्य और अनुपम नजारा देखने को मिला। शहर के प्रमुख और प्राचीन शिव मंदिरों में सुबह से ही शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हाथों में जल, दूध और बेलपत्र लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं, जो अपनी बारी का इंतजार करते हुए बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगा रहे थे। इस पावन अवसर पर शहर के प्रसिद्ध प्राचीन भीमसेन मंदिर और श्री चाँदेश्वर महादेव मंदिर में भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां भक्तों ने कतारों में लगकर भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया और अपनी मनोकामनाएं मांगीं।

इस धार्मिक उत्सव में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-

चढ़कर अपनी आस्था प्रकट की। आम नागरिकों के साथ-साथ कबाड़ियों ने भी मंदिरों में पहुंचकर श्रद्धाभाव के साथ भगवान शिव को जल अर्पित किया और सुख-समृद्धि की कामना की। पूरा शहर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के उद्घोष से गुंजायमान हो गया, जिससे शहर का कोना-कोना पूरी तरह से शिवमय नजर आया।

त्योहार पर उमड़ने वाली अपार भीड़ और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के दृष्टिकोण से पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया। मंदिरों के भीतर और बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जहां महिला और पुरुष पुलिस बल ने मुस्तैदी दिखाते हुए भक्तों को अनुशासित ढंग से लाइन में लगकर दर्शन कराए। इसके साथ ही, स्थानीय पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र में गश्त करते रहे, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके और सभी श्रद्धालु शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में अपनी पूजा-अर्चना संपन्न कर सकें।

मैनपुरी में पुलिस टीम पर फायरिंग और अवैध असलहा रखने के मामले में अदालत का कड़ा फैसला

मैनपुरी। जनपद के थाना कोतवाली क्षेत्र से जुड़े दो मामलों में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम कोर्ट मैनपुरी द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया गया है। पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर करने (अपराध संख्या 105/2021) और अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा बरामद होने (अपराध संख्या 106/2021) के मामलों में न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराया है।

न्यायालय द्वारा अभियुक्त अर्जुन गिहार पुत्र रमेश उर्फ फनकी, निवासी गिहार कॉलोनी बस स्टैण्ड के सामने, थाना कोतवाली, जनपद मैनपुरी को धारा 307 भादवि के अंतर्गत 3 वर्ष का कठोर कारावास और 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। इसके साथ ही, आर्म्स एक्ट की धारा 3/25/27 के तहत उसे 1 वर्ष का कठोर कारावास और 2,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। इस मामले में सजा सुनिश्चित कराने के लिए वादी की गवाही और विवेचक द्वारा संकलित साक्ष्य मुख्य आधार रहे। इसमें एडीजीसी मुकुल राजजादा, विवेचक उ०नि० विपिन तोमर, कोर्ट मोहर्रिर हे०का० प्रवीण सोलंकी, पैरोकार का० सुमित चौहान थाना कोतवाली तथा प्रभारी मॉनीटरिंग सेल जनपद मैनपुरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रगान के अपमान के आरोप में विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कांग्रेस ने दी तहरीर

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर सोमवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में जिलाध्यक्ष गोपाल कुलश्रेष्ठ की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकताओं ने कोतवाली मैनपुरी पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्नाव में राष्ट्रगान के दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के कथित रूप से कार्यक्रम स्थल से चले जाने के मामले में थाना प्रभारी को तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की मांग की गई।

गोपाल कुलश्रेष्ठ ने कहा कि उन्नाव में आयोजित कार्यक्रम से संबंधित एक वीडियो सामने आया है, जिसमें राष्ट्रगान के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के मंच से नीचे उतरकर कार्यक्रम स्थल से जाते हुए दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। कांग्रेस ने इसे राष्ट्रगान के सम्मान और संवैधानिक पद की गरिमा से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो के साथ घटनास्थल के उपलब्ध सीसीटीवी एवं अन्य वीडियो फुटेज की जांच कराई जाए। साथ ही कार्यक्रम के आयोजकों, प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित अधिकारियों के बयान दर्ज कर राष्ट्रगान के दौरान वास्तविक घटनाक्रम का पता लगाया जाए। उन्होंने कहा कि जांच में यदि किसी कानून का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जानी चाहिए।

कुलश्रेष्ठ ने कहा कि राष्ट्रगान किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे देश के सम्मान और गौरव का प्रतीक है। इसलिए मामले में तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। कांग्रेस ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम से संबंधित कानून के तहत कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान शहर अध्यक्ष डॉ. नागेंद्र यादव, पूर्व शहर अध्यक्ष अजय दुबे, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रमेश चंद्र वर्मा, कैलाश उपाध्याय, अनुपम शाक्य, डॉ. नवीन शर्मा, पीसी चतुर्वेदी, गौरव कुमार खेड़ा, गौरव कुमार आर्य, हिमांशु सेन, मनोज चतुर्वेदी, वाजिफ अली, सरफराज अहमद सिद्दीकी, सुविन यादव, प्रवेश पांडेय, गौरव दुबे, अंकित शर्मा, मोहम्मद आकिब, अर्शीक कुमार, रोहित गुप्ता, राजेश गुप्ता सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धर्मवीर सिंह राही को मिले दो प्रतिष्ठित सम्मान

करहल/मैनपुरी। समाजसेवा, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संवेदना फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष इंजी. धर्मवीर सिंह राही को लखनऊ में आयोजित समारोह में दो प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। 23 अगस्त को उद्यान भवन, सप्रू मार्ग, प्रेम नगर, हजरतगंज में बियॉन्ड द थर्ड आई के तत्वावधान में आयोजित समारोह में उन्हें ह्य100 प्रेरणादायी भारतीय सम्मान-2026ह्ल तथा ह्यस्वास्थ्य विभूषण सम्मान-2026ह्ल प्रदान किया गया। ह्य100 प्रेरणादायी भारतीय सम्मानह्ल समाज और राष्ट्र निर्माण में उनके उल्लेखनीय योगदान, प्रेरणादायी नेतृत्व, समर्पित सेवा तथा सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रदान किया गया। वहीं ह्यस्वास्थ्य विभूषण सम्मानह्ल स्वास्थ्य सेवा, जनस्वास्थ्य, चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य तथा सामाजिक सेवा के लिए दिया गया। समारोह में देशभर में सामाजिक बदलाव के लिए कार्य कर रहे विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों के योगदान को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि समाज के प्रति समर्पित होकर कार्य करने वाले लोगों का सम्मान अन्य लोगों को भी जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। सम्मान प्राप्त करने के बाद धर्मवीर सिंह राही ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में और अधिक जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा है। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय अपने सहयोगियों और समाजसेवा से जुड़े सभी लोगों को दिया। धर्मवीर सिंह राही को एक ही समारोह में दो प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर उनके शुभचिंतकों, सहयोगियों एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मैनपुरी में यातायात पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान, 10 चालान और 5 गाड़ियां सीज

मैनपुरी। जनपद में सड़क हादसों की रोकथाम और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सोमवार को मैनपुरी में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात और परिवहन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने प्रमुख मार्गों पर वाहनों की सघन जांच की। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए कुल 10 चालान काटे गए तथा 5 वाहनों को सीज किया गया। इस कार्रवाई के दौरान कुल 2,10,000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया, जिससे वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति रही। सख्त कार्रवाई के साथ-साथ अधिकारियों द्वारा आम जनता और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखें ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

शिक्षा के मंदिर के बाहर बदहाली:

ग्राम रामनगर में उच्च प्राथमिक विद्यालय के सामने जलभराव, पानी में घुसकर विद्यालय जाने को मजबूर नौनिहाल

टीएनएफ टुडे, किशनी/मैनपुरी।

जनपद के प्रथम सांसद बादशाह गुप्ता के किशनी ग्राम रामनगर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय रामनगर के सामने गंभीर जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे विद्यालय में अध्ययनरत नन्हे-मुन्ने बच्चों को रोज पानी और कीचड़ के बीच से गुजरकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि बच्चों को अपने भविष्य को संवारने के लिए अपनी शिक्षा के पहले चरण में ही इस बदहाली और पानी के संकट से जूझना पड़ रहा है।

विद्यालय के मुख्य द्वार और आसपास जलभराव की इस स्थायी स्थिति के कारण क्षेत्र में गंभीर संक्रामक बीमारियां फैलने की पूरी संभावना बनी हुई है। गंदे और ठहरे हुए पानी के कारण पनपने वाले मच्छरों व दुर्गंध के बीच बच्चों का विद्यालय में पढ़ना उनके स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बनता जा रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग और स्थानीय प्रशासन इस गंभीर मामले पर पूरी तरह से मौन साधे बैठा है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त है।

एक तरफ सरकार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा के विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं धरातल पर इस प्रकार की बदहाली और प्रशासनिक उदासीनता सरकार के उन तमाम मंसूबों पर पानी फेरती नजर आ रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हुए जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि मासूम बच्चों को इस दयनीय स्थिति से मुक्ति मिल सके और किसी बड़े स्वास्थ्य संकट को टाला जा सके।

भूढ़ा भरथरा में 31 को विराट दंगल में जुटेंगे पहलवान

शिकोहाबाद। निकटवर्ती ग्राम भूड़ा भरथरा में वीरांगना रानी अवन्तीबाई लोधी के उपलक्ष्य में 31 अगस्त सोमवार को ग्राम भूड़ा भरथरा में दोपहर 2 बजे से एक विराट दंगल का आयोजन किया जा रहा है ?। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय प्रताप उर्फ छोटू और विशिष्ट अतिथि विपिन गर्ग (अध्यक्ष साधन सहकारी समिति) फीता काटकर दंगल का शुभारंभ करेंगे। आयोजन समिति द्वारा बताया गया है कि दंगल मे दिल्ली, हरियाणा के अलावा बुलंदशहर, मेरठ, अलीगढ़, बरेली, हापुड़ आदि के नामचीन पहलवान कुश्ती के दांव-पेच दिखाने आ रहे हैं। समिति के अध्यक्ष जैदान सिंह, तारा सिंह ने आसपास के क्षेत्र के लोगों तथा खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पहलवानों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है ।

मैनपुरी की आद्या साहा ने रचा इतिहास

इंडिया जीनियस अवार्ड ओलंपियाड-2026' में हासिल की राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रैंक

एसपी मैनपुरी गणेश प्रशाद शाह की बेटी है आद्या साह

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद मैनपुरी के पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा की पुत्री और शहर के प्रतिष्ठित सुदिति ग्लोबल स्कूल की कक्षा तीन की मेधावी छात्रा आद्या साहा ने 'इंडिया जीनियस अवार्ड ओलंपियाड-2026' में देश भर के 8.7 लाख से अधिक विद्यार्थियों को पीछे छोड़ते हुए 100 प्रतिशत अंकों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस शानदार सफलता से न केवल उनके परिवार और विद्यालय बल्कि पूरे जिले में गर्व और हर्ष का माहौल है, और उन्होंने मैनपुरी का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए आद्या को आगामी 30 अगस्त 2026 को

लखनऊ में आयोजित होने वाले भव्य सम्मान समारोह में स्वर्ण पदक और लैपटॉप से सम्मानित किया जाएगा, साथ ही उन्हें इंडिया जीनियस अवार्ड की 13वीं 'जीनियस' के रूप में विशेष पहचान मिलेगी। कम उम्र में अपनी असाधारण प्रतिभा और अनुशासन का परिचय देने वाली आद्या की यह सफलता क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा बन गई है।

बीडीएम में हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, एसडीएम रहे मौजूद

टीएनएफ टुडे, शिकोहाबाद।

छात्राओं से कहा गया - लोकतंत्र के लिये मतदान अतिआवश्यक

बीडीएम म्यू. गर्ल्स डिग्री कॉलेज में प्राचार्या प्रो0 गीता यादवेन्दु की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी राजेश कुमार शुक्ला की मौजूदगी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन रानी लक्ष्मीबाई सभागार में किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ मॉ सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण से किया गया। प्राचार्या प्रो0 गीता यादवेन्दु द्वारा उपजिलाधिकारी का स्वागत पुष्प गुच्छ के द्वारा किया । स्वागत की श्रृंखला में संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया । मुख्य अतिथि एसडीएम राजेश कुमार ने महाविद्यालय की छात्राये जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी हैं, को वोटर कार्ड बनाने की प्रक्रिया से अवगत कराया। मतदान करने के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के लिये मतदान अतिआवश्यक है तथा मतदान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

प्राचार्या प्रो0 गीता यादवेन्दु ने भारत निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली से छात्राओं को अवगत कराते हुए छात्राओं को मतदान पत्र बनवाने, मतदान करने के लिए प्रेरित किया । इस अवसर पर महाविद्यालय की शिक्षिकाएं , समस्त छात्राऐं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ0 नीलम ने किया।

2027 में अखिलेश यादव को सीएम बनाकर लेंगे दम - डॉ. राजपाल कश्यप

टीएनएफ टुडे, करहल।

समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप एवं जिला प्रमुख महासचिव रामनारायण बाथम सोमवार को करहल नगर स्थित समाजवादी पार्टी छात्र सभा कार्यालय पहुंचे। यहां छात्र सभा के जिलाध्यक्ष हरीश यादव एवं उनकी टीम ने फूल-मालाएं और पटका पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान डॉ. राजपाल कश्यप ने कहा कि ढऊअ जन पंचायतों के माध्यम से समाजवादी पार्टी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज को एकजुट करने तथा उनके अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और आगे बढ़ने के समान अवसर दिलाना पार्टी की प्राथमिकता है।

भाजपा द्वारा ढऊअ को लेकर समाजवादी पार्टी पर लगाए जा रहे आरोपों पर डॉ. कश्यप ने कहा कि ढऊअ को मिल रहे जनसमर्थन से भाजपा परेशान है। इसी कारण लगातार ढऊअ को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में ढऊअ की एकजुटता और जनता के समर्थन के दम पर समाजवादी पार्टी मजबूत वापसी करेगी। उन्होंने करहल और मैनपुरी की जनता से समाजवादी विचारधारा के साथ मजबूती से खड़े रहने की अपील की।

शिवजी मंदिर पर शिवभक्तों ने किए 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

शिकोहाबाद। नगर के पक्का तालाब स्थित शिव मंदिर में रखे गए श्रावण मास के आखिरी सोमवार को लेकर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग के आम श्रद्धालुओं के द्वारा दर्शनार्थ किए गए। इन 12 ज्योतिर्लिंग को रविवार शाम से ही लोग देखने के लिए आने लगे थे । शिवजी महाराज सेवा समिति के तत्वाधान में पक्का तालाब स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग की स्थापना की गई । वहीं मंदिर पर सुंदरकांड का आयोजन भी किया था । भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इधर सोमवार सुबह से ही मंदिर पर शिवभक्तों के लिए भंडारा आयोजित किया गया, जहां प्रसाद आदि वितरित किया गया । इस दौरान एसडीएम राजेश कुमार, पालिकाध्यक्ष पति राजीव गुप्ता, नायब तहसीलदार नितिन चौधरी के अलावा मीडियाकर्मियों, आम लोगों ने भगवान के 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। अधिकारियों का सम्मान गिफ्त देकर किया गया ।

रक्षाबंधन से पूर्व सेंट वीपीएस स्कूल में राखी बनाओ, थाली सजाओ एवं मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता

टीएनएफ टुडे, करहल।

संत विवेकानंद ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा संचालित सेंट वीपीएस स्कूल, सिनेमा रोड, करहल, मैनपुरी में रक्षाबंधन पर्व के पूर्व राखी बनाओ, थाली सजाओ एवं मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता एवं कार्यकुशलता का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से विद्यालय परिसर में उल्लास, सृजनात्मकता एवं सांस्कृतिक चेतना का वातावरण बना रहा।

'कबाड़ से जुगाड़' से तैयार की आकर्षक राखियां

राखी बनाओ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कबाड़ से जुगाड़ की अवधारणा को साकार करते हुए पुराने कपड़े, धागे, बटन, मोती, रिबन एवं अन्य अनुपयोगी सामग्री का रचनात्मक उपयोग कर सुंदर एवं आकर्षक राखियां तैयार कीं। बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और हुनर से अनुपयोगी वस्तुओं को मनमोहक स्वरूप प्रदान किया।

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को वस्तुओं के पुनः उपयोग, संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी मिला।

कक्षा 6 से 8 वर्ग में अनंत, कक्षा 6-इ ने प्रथम, दिव्यांश, कक्षा 8 ने द्वितीय तथा काव्या, कक्षा 6-अ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 1 से 5 वर्ग में खदीजा, कक्षा 1-इ ने प्रथम, सौम्या, कक्षा 4-अ ने द्वितीय तथा शिवा एवं वैष्णवी, कक्षा 5-अ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

थाली सजाओ में बिखरी सृजनात्मकता की छटा

थाली सजाओ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगीन कागज, मोती, रिबन एवं विभिन्न सजावटी सामग्रियों का प्रयोग करते हुए आकर्षक एवं

कलात्मक थालियां सजाईं। रंगों का सुंदर संयोजन, साज-सज्जा की बारीकी और रचनात्मक प्रस्तुति बच्चों के सौंदर्यबोध, धैर्य, एकाग्रता एवं कलात्मक कौशल को दर्शा रही थी।

प्रतियोगिता में फ्रूट्स आर्ट भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने विभिन्न फलों को कलात्मक ढंग से काटकर सुंदर आकृतियां तैयार कीं और उन्हें थाली में आकर्षक ढंग से सजाया। मोहिनी ने फलों को कलात्मक रूप से काटकर एवं सजाकर मनमोहक थाली तैयार की, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। फलों की आकर्षक सजावट ने बच्चों की रचनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा को एक अलग पहचान दी।

कक्षा 1 से 5 वर्ग में सागर, कक्षा 5-इ ने प्रथम, अथर्व, कक्षा 5-उ ने द्वितीय तथा हार्दिक, कक्षा 5-उ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 6 से 8 वर्ग में दिव्यांशी, कक्षा 6-अ ने प्रथम, प्रतीक, कक्षा 8-अ ने द्वितीय तथा पल्लवी, कक्षा 6-अ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता रही आकर्षण का केंद्र मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता विद्यार्थियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस प्रतियोगिता में छात्राओं के साथ-साथ छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के हाथों पर सुंदर, आकर्षक एवं कलात्मक मेहंदी डिजाइनों को उकेरा। विभिन्न आकृतियों, बेल-बूटों एवं आकर्षक डिजाइनों के माध्यम से बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता, धैर्य, एकाग्रता एवं कलात्मक कौशल का परिचय दिया।

कक्षा 6 से 8 वर्ग में स्वर्णा, कक्षा 7-अ ने प्रथम, काव्या, कक्षा 8-अ ने द्वितीय तथा कृष्णा, कक्षा 8-अ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं की समान रूप से उत्साहपूर्ण सहभागिता ने प्रतियोगिता को और भी विशेष एवं यादगार बना दिया।

प्रबंधक सरिता सिंह ने किया प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन

विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सरिता सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई राखियों, सजी हुई थालियों एवं मेहंदी की आकर्षक डिजाइनों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मार्गदर्शन और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त अवसर देने की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, धैर्य, एकाग्रता, सौंदर्यबोध एवं कार्यकुशलता का विकास करती हैं। ऐसे आयोजन बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचियों और प्रतिभाओं को पहचानने तथा उन्हें निखारने का अवसर प्रदान करते हैं।

निदेशक डॉ. जे.पी. यादव ने बताया आयोजन का महत्व

विद्यालय के निदेशक डॉ. जे.पी. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास, स्नेह एवं आत्मीयता का पवित्र पर्व है। इस प्रकार के सांस्कृतिक एवं रचनात्मक आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि कबाड़ से जुगाड़ जैसी गतिविधियां बच्चों में नवाचार, रचनात्मक सोच और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करती हैं। वहीं राखी बनाने, थाली सजाने एवं मेहंदी रचाने जैसी गतिविधियां बच्चों में धैर्य, एकाग्रता, सौंदर्यबोध और हस्तकौशल को विकसित करती हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उनके बौद्धिक, रचनात्मक, सांस्कृतिक, नैतिक एवं व्यवहारिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना है। गतिविधि आधारित शिक्षा बच्चों को सीखने के साथ-साथ अपनी प्रतिभा को व्यवहारिक रूप में प्रदर्शित करने का अवसर देती है।

उन्होंने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अभिभावकों का सहयोग बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं कर सके, वे निराश न हों और विद्यालय में आयोजित होने वाली आगामी प्रतियोगिताओं एवं रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने का प्रयास करें। ऐसे आयोजनों में सहभागिता से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचानने एवं निखारने का अवसर मिलता है।

अमांपुर में डाक कांवड़ियों की रही धूम

○ टीएनएफ टुडे, अमांपुर।

सावन के अंतिम सोमवार को कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में डाक कांवड की धूम मची रही। कछला गंगाघाट से सैकड़ों शिव भक्त गंगाजल की डाक कांवड लेकर शिव मंदिर पहुंचे। उन्होने गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। रविवार को अमांपुर क्षेत्र के सैकड़ों शिवभक्त महादेव का जलाभिषेक करने के लिए तूफानी डाक कांवड़, झूला कांवड आदि तरह की कांवड लेकर गंगाघाट से रवाना हुए थे। सोमवार को सैकड़ों कांवड़ियों ने गंगाजल लाकर भगवान भोलेनाथ पर चढ़ाया। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखी गई। तय समय पर पहुंचकर महादेव का जलाभिषेक करने को डाक कांवडिएं दौड़ रहे थे। बाइक-स्कूटी व कार से गंगाजल लेकर आने वालों की भी संख्या कम नही थी। डीजे लगे डाक कांवड वाहनों पर भगवान शंकर का जयघोष गूंजते रहे।

सावन के अंतिम सोमवार को शिवालयों में उमड़े शिव भक्त

अमांपुर के शिव मंदिर पर बेलपत्र व धतूरा अर्पित कर मांगी मनौती

○ टीएनएफ टुडे, अमांपुर।

कस्बा के प्रचीन शिव मंदिर पर सावन माह के अंतिम सोमवार को शिव भक्त अपने आराध्य के दर्शन को उमड़ पड़े। कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्र के सभी शिव मंदिरों पर भक्तों ने भोलेनाथ को आस्था के जल से सराबोर कर दिया।

शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। श्रद्धालु सुबह से भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए कतारों में लगे रहे। शिवभक्तों ने भारी उत्साह के साथ भगवान शिव की आराधना की।

प्रातःकाल से ही हर महादेव, बम बम भोल की गूंज सुनाई दी। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, मेवा, फल, आदि अर्पित कर परिवार की सुख व बच्चों की दीर्घायु की कामना की।

हर हर महादेव के जयघोष से मंदिर प्रांगण गूंजते रहे। भोलेनाथ के भक्तों ने शिवलिंग का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक एवं पूजन भी किया। सोमवार को भक्तों ने व्रत भी रखा। वहीं कस्बा के देवी मंदिर, साई राम मंदिर, राम जानकी मंदिर, राधा-कृष्ण सहित आदि मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की।

वैश्य एकता परिषद ने शिविर लगाकर की कावड़ियों की सेवा

सीडीओ एवं महिला आयोग सदस्य ने दीप प्रज्वलन कर किया उद्घाटन

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

सावन के चौथे अंतिम सोमवार की पावन संध्या पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद जनपद द्वारा होटल तनिष्क के पास कासगंज रोड एटा पर विशाल कावड़ियों की सेवा सत्कार कर प्रसाद ग्रहण कराया गया। संगठन के जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता एवं कार्यक्रम संयोजक हरिओम गुप्ता जिला संगठन मंत्री ने संयुक्त रूप से अतिथियों का स्वागत अभिनंदन कर कावड़ियों को जलपान कराया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी रमेशचंद्र गुप्ता उटऊ होटल राधेश्याम ने की। कार्यक्रम को सीडीओ राजेंद्र प्रसाद मिश्रा ने संबोधन में संगठन के सदस्यों को इस पावन कार्य के लिए सम्मानित करते हुए बधाई दी और कहा कि इस पुण्य कार्य से संसार में खुशियां आने एवं आम जनमानस को स्वस्थ रहते हुए विकाश की ओर अग्रसर होने की भोले बाबा की प्रार्थना से प्रेरणा मिलती है। राज्य महिला आयोग सदस्य रेनू गौड़ ने आत्मीय सम्मान से अभिभूत होकर सड़क पर निकल रही अलौकिक झाकियों को माला-पटका पहना कर सम्मानित कर प्रसाद ग्रहण कराते हुए भारतीय संस्कृति की पहचान को जीवंत रखने के लिए संगठन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संरक्षक क्रमशः डॉ आशुतोष गुप्ता, राजेश गुप्ता राजू चाचा, अनुज जैन, जितेंद्र माहेश्वरी, गणेश वार्ष्णेय, अवधेश गुप्ता एडवोकेट, प्रमोद गुप्ता पम्मू, आनंद गुप्ता, विशाल गोयल रामेश्वरम, अजय गुप्ता, संजय गुप्ता नेताजी, गौरव गुप्ता, प्रशांत गुप्ता गांधी, चेतन गुप्ता, सुनील गुप्ता, शिवम गुप्ता, विनीत गुप्ता वंशु आदि शिव भक्त उपस्थित रहे।

नशे में फरार्टा भर रही बाइक फिसली, बाइक सवार की मौत

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- मित्रों के साथ घूमने निकला था अतरौली का युवक, सिर में लग गई थी गंभीर चोट
- अकराबाद के चार दोस्त दो बाइकों से आए थे कासगंज

थाना क्षेत्र के मोहनपुरा बाईपास पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। अलीगढ़ के अकराबाद थाना क्षेत्र से दोस्तों के साथ घूमने आए युवक की बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम गोपी (थाना अकराबाद, जनपद अलीगढ़) निवासी चार दोस्त दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर कासगंज घूमने आए थे। रास्ते में नगला डुकरिया के पास एक ढाबे पर सभी ने रुककर शराब का सेवन किया। अत्यधिक नशे की हालत में गोपाल सिंह (20) पुत्र सीताराम अकेला ही अपनी बाइक (वढ14 ए 8606) लेकर आगे की ओर निकल गया। मोहनपुरा बाईपास पर पहुंचते ही गोपाल की बाइक से नियंत्रण छूट गया और तेज रफ्तार बाइक सड़क पर फिसल गई। हादसे में गोपाल के सिर में गहरी चोट आई। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली कासगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल गोपाल सिंह को उपचार के लिए जिला अस्पताल कासगंज भिजवाया।

हालांकि, चोट अधिक गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान चिकित्सक ने गोपाल को मृत घोषित कर दिया।

अंबेडकर कॉलोनी में नेशड़ियों का आतंक

अलीगढ़। गांधीपार्क थाना अन्तर्गत अंबेडकर कॉलोनी में नेशडियों के आतंक से यहां स्थानीय लोग काफी परेशान हैं, वहीं क्षेत्रीय पुलिस शिकायत करने के बाद इन शराबियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रही है, कुछ दिन पहले जहां पुलिस कप्तान ने स्वम शराबियों और चरस गांजा बेचने और पीने वालों के खिलाफ एक्शन लिया था और कई लोगों को जेल भी भिजवाया और क्षेत्र के हर थाने की पुलिस को ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये थे।

इस थाना क्षेत्र की पुलिस लोगों द्वारा लिखित शिकायत करने के बाद भी शराबियों के खिलाफ कार्यवाही करने से कतराती है और यह कहकर टाल देती है कि नशे में इन लोगों के खिलाफ क्या कार्यवाही करें। इस क्षेत्र के लोगों ने बताया कि क्षेत्रवासियों उन्ही की कॉलोनी में रहने वाले हर्ष और सर्वेश पुत्र स्व. गोपाल सिंह अपने मकान में शराबियों और गांजा पीने वालों अपने मकान पर बुलाकर शराब और गांजा पिलवाते हैं और खुद भी शराब पीकर मोहल्ले के लोगों का अश्लील गालियां देते हैं। जिनके आंतक से क्षेत्र की महिलाओं और युवतियों आमजन का जीना दुश्वार हो गया। जिसकी शिकायत मोहल्ले के लोगों ने क्षेत्रीय पुलिस और 112 पर भी की है, लेकिन पुलिस कार्यवाही नहीं करती है।

लोगों का कहना है कि जब पुलिस ही कार्यवाही नहीं करती तो वह किससे शिकायत करें। पीडित लोगों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का ध्यान इस ओर आकृषित कराया है।

लोकतांत्रिक आवाज को दबाने की कोशिश

रिजर्वेशन रिफॉर्म और यूजीसी कानून के खिलाफ आंदोलन में जा रहे विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्रेश चतुर्वेदी हाउस अरेस्ट

○ टीएनएफ टुडे, सिकंदराराऊ।

दिल्ली में जंतर मंतर पर रिजर्वेशन रिफॉर्म (आरक्षण सुधार) के लिए चल रहे बड़े आंदोलन में शामिल होने जा रहे राष्ट्रीय विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्रेश चतुवेर्दी को पुलिस प्रशासन द्वारा उनके आवास पर हाउस अरेस्ट किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवास के बाहर पुलिस बल तैनात कर उनकी आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

राष्ट्रीय विप्र एकता मंच और सहयोगी संगठनों ने सरकार और प्रशासन की इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक बताते हुए कड़ा विरोध जताया है । यूजीसी के नए कानून को सवर्णों के खिलाफ बताते हुए संगठन ने इसे 'काला कानून' करार दिया तथा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी है।यूजीसी और आरक्षण नीति पर दोबारा विचार करने की मांग उठाई।देश भर में सवर्ण समाज के अधिकारों, न्याय और रिजर्वेशन रिफॉर्म के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी आंदोलन को दबाने के प्रशासन के प्रयासों की कड़ी निंदा करते हुए विप्र एकता मंच ने गहरा रोष प्रकट किया है। आज इसी सिलसिले में आयोजित महा-प्रदर्शन में शांतिपूर्ण ढंग से भागीदारी करने जा रहे विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्रेश चतुवेर्दी को पुलिस प्रशासन द्वारा भारी सुरक्षा बल के साथ उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर नजरबंद कर दिया गया है। उनके घर के बाहर सुबह से ही भारी संख्या में पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। इस दमनकारी कार्रवाई पर कड़ा रुख अपनाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्रेश चतुवेर्दी ने कहा, "प्रशासन पुलिस की लाठियों और नजरबंदी के दम पर हमारी लोकतांत्रिक आवाज को नहीं दबा सकता। देश भर में रिजर्वेशन रिफॉर्म के लिए आंदोलन चलाया जा रहा है, जिससे घबराकर यह कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही यूजीसी का नया कानून सवर्णों के खिलाफ है और इस काले कानून को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वर्तमान समय में यूजीसी के नियमों और आरक्षण नीति पर दोबारा से गहराई से सोचना बहुत ही आवश्यक हो गया है।"

विप्र एकता मंच के पदाधिकारियों और विभिन्न सवर्ण संगठनों ने इस घटना की तीखी आलोचना की है। संगठन का कहना है कि यह कार्रवाई अभिव्यक्ति की आजादी और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के संवैधानिक अधिकारों का खुला हनन है। यदि राष्ट्रीय अध्यक्ष की नजरबंदी तुरंत खत्म नहीं की गई और उन्हें अपनी आवाज उठाने की अनुमति नहीं दी गई, तो विप्र समाज और सवर्ण संगठन इस तानाशाहीपूर्ण रवैये का पुरजोर विरोध करेंगे। संगठन ने देश और प्रदेश के समस्त सवर्ण समाज, युवाओं और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे इस दमन के खिलाफ एकजुट रहें और आरक्षण सुधार व यूजीसी कानून के खिलाफ चल रहे इस आंदोलन को और तेज करें।

छठे दिन शिव महापुराण में गूंजा द्वादश ज्योतिर्लिंग का महात्म्य, श्रद्धालुओं ने सुना भगवान शिव की महिमा का अमृत संदेश

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सिकंदराराऊ।

कासगंज रोड स्थित ममता फार्म हाउस पर चल रहे भव्य श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के छठे दिन कथा व्यास श्री सतगुरु शरण देव जी महाराज, अयोध्याधाम ने भगवान शिव के द्वादश ज्योतिलिंगों की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को बारहों ज्योतिलिंगों के प्राकट्य, उनकी पौराणिक महत्ता, भगवान शिव से जुड़े प्रसंगों तथा ज्योतिलिंगों के पूजन की विधि और उसके आध्यात्मिक महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

कथा व्यास ने बताया कि भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग भारत की पावन धरती पर शिव भक्ति के प्रमुख केंद्र हैं। श्रद्धापूर्वक इन ज्योतिलिंगों का स्मरण, दर्शन एवं पूजन करने से मनुष्य के जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने एक-एक करके सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग की महिमा एवं उनसे जुड़े धार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया।

गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को ज्योतिर्लिंगों के प्राकट्य की कथाएं, भगवान शिव की महिमा तथा पूजन की पूर्ण प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि शिव आराधना में श्रद्धा और भाव सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भगवान शिव को जल, बेलपत्र, पुष्प आदि अर्पित करने की धार्मिक परंपरा तथा पूजा के आध्यात्मिक महत्व को भी विस्तार से समझाया। कथा के दौरान जब-जब ज्योतिर्लिंगों की महिमा का वर्णन हुआ, श्रद्धालु हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण को शिवमय करते रहे।

मुकेश चौहान और लव कुमार शर्मा ने किया व्यास गद्दी का पूजन

कथा के छठे दिन व्यास गद्दी का पूजन भाजपा जिला उपाध्यक्ष मुकेश चौहान एवं उद्योगपति लव कुमार शर्मा द्वारा विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ किया गया। उन्होंने कथा व्यास श्री सतगुरु शरण देव जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आयोजक आकाश दीक्षित एवं समस्त दीक्षित परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। कथा स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। कथा के दौरान पूरा पंडाल भक्तों से भरा रहा। द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और भगवान शिव की भक्ति में लीन दिखाई दिए। कथा के समापन पर भगवान शिव की आरती की गई और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हर-हर महादेव के जयकारे लगाए।

ये लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर रामकिशन दीक्षित, पंकज दीक्षित, सजल पंडित, मुनेंद्र शर्मा, लव शर्मा, श्री कांत त्रिवेदी, राजन लाल शर्मा, मुरारीलाल देसाई, अरविंद शर्मा, दीपू शर्मा, कृपाशंकर पचौरी, अविनाश पाठक, पप्पू सिंह, मनोज शर्मा, महेश शर्मा, मुकेश शर्मा, कन्हैया पचौरी, दिनेश यादव, बृजेश पाठक, अनिल पाठक, अजय पुंडीर, विजय सिंह, कुलदीप शर्मा, आकाश शर्मा, बृज बिहारी कौशिक, श्रीनिवास दीक्षित, दीपेश पाठक, सुभाष शर्मा, ओमवीर बघेल, विष्णु शर्मा, आशुतोष दीक्षित सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कथा के छठे दिन ममता फार्म हाउस का वातावरण पूरी तरह शिवमय रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा का श्रवण कर आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया और हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष के साथ कथा का आनंद लिया।

युवती ने फंदा लगाकर दी जान

○ टीएनएफ टुडे, ढोलना।

तैयबपुर सुजातगंज गांव में रविवार शाम 18 वर्षीय युवती ने घर के कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती की हाल ही में शादी तय हुई थी।

गांव निवासी सेवेंद्र सिंह की 18 वर्षीय बेटी सिंकी ने रविवार शाम कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने खिड़की से अंदर झांककर देखा। कमरे के अंदर सिंकी का शव दुपट्टे के फंदे पर लटका देख परिवार के होश उड़ गए। सूचना पर सीओ सदर आंचल चौहान और ढोलना थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतका के भाई दिव्यांशु ने बताया कि सिंकी की शादी एटा जिले के मारहरा थाना क्षेत्र के गांव बुढ़रा निवासी नीरज के साथ तय हुई थी। मृतका के पिता मजदूरी करते हैं। बेटी की मौत से मां भगवान देवी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

गंगा स्नान कर लौट रहे वृद्ध की ट्रैक्टर से गिरकर मौत

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- मालगोदाम चौराहे और मिशन चौराहे के बीच हुआ हादसा
- नींद आने से ट्रैक्टर से

गंगा स्नान कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से एटा लौट रहे 65 वर्षीय वृद्ध की रविवार रात हादसे में मौत हो गई। मालगोदाम चौराहे और मिशन चौराहे के बीच ट्रैक्टर पर आगे बैठे वृद्ध को नींद आ गई। इसी दौरान वह नीचे गिरकर ट्रैक्टर और ट्रॉली के बीच आ गए। सिर और हाथ में गंभीर चोट लगने पर उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान छोटेलाल (65) पुत्र मुंशीलाल निवासी नगला गोजिया, थाना कोतवाली देहात, जनपद एटा के रूप में हुई है। बताया गया कि रविवार को करीब 35 लोगों का समूह ट्रैक्टर-ट्रॉली से कछला घाट गंगा स्नान के लिए गया था। ट्रैक्टर वीरमपुर निवासी प्रवीण पुत्र राजाराम चला रहे थे। गंगा स्नान के बाद सभी लोग वापस गांव लौट रहे थे।

ट्रैक्टर पर छोटेलाल के अलावा पप्पू (50) पुत्र लालूसहाय और रवि (15) पुत्र प्रभात निवासी वीरमपुर बैठे थे, जबकि अन्य लोग ट्रॉली में सवार थे। मालगोदाम चौराहे और मिशन चौराहे के बीच छोटेलाल को अचानक नींद आ गई। नींद के कारण वह ट्रैक्टर से नीचे गिर पड़े और ट्रैक्टर व ट्रॉली के बीच आ गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक प्रवीण और उसके साथी संजय पुत्र रामगोपाल ने पुलिस की मदद से घायल छोटेलाल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची कासगंज कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वृद्ध की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कांवड़ भरने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, दो घायल

टीएनएफ टुडे, सोरोंजी। थाना क्षेत्र में रविवार रात कांवड़ भरने लहरा गंगा घाट जा रहे मैनपुरी के एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। उसकी बाइक दूसरे वाहन से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दो अन्य कांवड़िए भी घायल हो गए। गंभीर हालत में एक घायल को एटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसे की खबर मिलते ही कांवड़ियों के जत्थे में शोक की लहर दौड़ गई। मैनपुरी जिले के थाना दन्नाहार क्षेत्र के गांव रठेरा निवासी रोहित उर्फ छोटू (22) पुत्र राम नक्षत्र रविवार रात बाइक से लहरा गंगा घाट जल भरने जा रहे थे। उनके साथ करीब 40 कांवड़ियों का जत्था भी बाइक से गंगा जल लेने जा रहा था। बताया गया कि सोरोंजी थाना क्षेत्र में रतन दुलारे अस्पताल के पास पहुंचते ही रोहित की बाइक दूसरे वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रोहित गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके साथ बाइक पर सवार धर्मेंद्र और रिंकेश भी घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां रोहित को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं रिंकेश की हालत गंभीर होने पर उसे एटा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जत्थे में शामिल जोगेंद्र सिंह ने बताया कि सभी कांवड़िए बाइक से लहरा गंगा घाट जल भरने जा रहे थे। इसी दौरान रतन दुलारे अस्पताल के पास हादसा हो गया। रोहित की मौत की खबर मिलते ही साथी कांवड़िए गमगीन हो गए।

बारावफात और रक्षाबंधन को लेकर शांति समिति की बैठक, सौहार्द बनाए रखने की अपील

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

आगामी बारावफात एवं रक्षाबंधन पर्व को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए रविवार को कोतवाली हाथरस परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। क्षेत्राधिकारी नगर हिमांशु माथुर की अध्यक्षता में हुई बैठक में धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों, संभ्रांत नागरिकों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में आगामी पर्वों को आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। क्षेत्राधिकारी नगर ने धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।

बैठक में पर्वों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, जुलूस एवं कार्यक्रमों के निर्धारित मार्ग, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा हुई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पर्वों के दौरान अराजकता, विवाद या माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीओ सिटी हिमांशु माथुर ने उपस्थित लोगों से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से पर्व मनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की जानकारी तत्काल पुलिस को देने को कहा। बैठक में मौजूद लोगों ने पर्वों को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ संपन्न कराने में पुलिस-प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। बैठक में समाजसेवी मुस्ताक अहमद, डॉ रहीस अहमद अब्बासी, राहत अहमद कुरैशी, मार्रे वाले भाई, सईद कुरैशी सभासद, आदि लोग मौजूद रहे

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर को हाथरस में

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

दीवानी न्यायालय हाथरस में शनिवार 12.09.2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदय विनय कुमार-। ने कहा है कि आपसी सुलह-समझौता के आधार पर लंबित मुकदमों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जायेगा।

उन्होंने आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला स्तर पर प्रत्येक विभाग द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत मे सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं तथा लंबित मुकदमों से प्रभावित लोगों से इस सुनहरे मौके का लाभ उठाने की अपील की है।

मा0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिए गये निर्देशों के क्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनु चौधरी के अनुसार, दिनांक 12.09.2026 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक मामले, धारा-138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, वसूली वाद आदि (लंबित एवं प्रि-लिटिगेशन मामले) संबंधित प्रकरणों के साथ-साथ सभी सुलह योग्य आपराधिक वादों, सिविल वादों, भूमि अधिग्रहण वादों, मोटर दुर्घटना प्रतिकर के वाद, पारिवारिक वादों, स्टाम्प वादों, उपभोक्ता फोरम वादों, राजस्व वादों, चकबंदी वादों, श्रम मामलों, नगर पालिका टैक्स वसूली मामलों, विद्युत अधिनियम के अन्तर्गत सुलह योग्य वाद, अन्तिम रिपोर्ट धारा 446 द0प्र0सं0 संबंधी मामले, पब्लिक प्रिविसेज एक्ट संबंधी मामले, उत्तराधिकार संबंधी मामले, आयुध अधिनियम के प्रकरण, बीमा संबंधी वाद, स्थानीय विधियों के अन्तर्गत शमनीय वाद, सेवा/वेतन संबंधी वाद, सेवानिवृत्ति परिलाभों से संबंधित प्रकरण, किरायेदारी वाद, वन अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत चालान, मैड़ बंदी एवं दाखिल खारिज वाद, प्रिलिटिगेशन प्रकरण, मनरेगा प्रकरण, शिक्षा का अधिकार संबंधी प्रकरण, जलकर एवं गृहकर प्रकरण, आपदा राहत प्रकरण, कराधान प्रकरण, राशन कार्ड/जाति एवं आय प्रमाण पत्र संबंधी आदि प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा।

एक्यूपंचर चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ाएं कदम

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

चीन से उत्पन्न हुआ एक्यूपंचर चिकित्सा विज्ञान का इस्तेमाल आज पूरे विश्व में किया जाता है। एक्यूपंचर को नीडलिंग थेरेपी भी कहा जाता है। इस चिकित्सा थेरेपी के दौरान विशिष्ट बिंदुओं पर बहुत बारीक सुइयों का इस्तेमाल करके दर्द या बीमारी का इलाज किया जाता है। एक्यूपंक्चर इस सिद्धांत पर आधारित है कि ऊर्जा, जिसे ची भी कहा जाता है, शरीर में और आसपास के मार्ग से बहती है। लेकिन व्यक्ति को बीमारी तब होती है, जब यह ऊर्जा या ची ब्लॉक हो जाती है। एक्यूपंक्चर प्रक्रिया ची को अनब्लॉक या प्रभावित करने और वापस संतुलन में लाने में मदद करने का एक तरीका है। इन दिनों पूरे विश्व में जब लोग वैकल्पिक चिकित्सा का रूख कर रहे हैं तो ऐसे में एक्यूपंचर को बेहद प्रभावी माना जा रहा है। अगर आप चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सुखद भविष्य देख सकते हैं

स्किल्स

एक्यूपंचर में अपना भविष्य देख रहे छात्रों में वैकल्पिक चिकित्सा और हॉलिस्टिक हीलिंग प्रॉपर्टीज में गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा, आपमें बेहतरीन इंटरपर्सनल, कम्युनिकेशनल व लिसनिंग स्किल्स होने चाहिए। साथ ही आपमें संवेदनशीलता और पेंशेट की समस्या को समझने की गहरी समझ होनी चाहिए। धैर्य, सेल्फ अवेयरनेस और इमोशनल स्टेबिलिटी भी एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट के लिए जरूरी है।

योग्यता

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद आप दो वर्ष का मास्टर कोर्स भी कर सकते हैं। एक्यूपंक्चर पाठ्यक्रम में छात्रों को एक्यूपंक्चर के विभिन्न पहलुओं जैसे शरीर के एक्यूपंक्चर बिंदुओं, एक्यूपंक्चर के फंडामेंटल, एक्यूपंक्चर मेरिडियन्स, फाइव एलिमेंट थ्योरी, एंसिलियरी एक्यूपंक्चर, क्लासिकल एक्यूपंक्चर, एप्लाइड एक्यूपंक्चर, इतिहास और पारंपरिक चीनी दवा (टीसीएल) के बारे में सिखाते हैं।

संभावनाएं

एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट क्लीनिक, जिम, हेल्थ सेंटर्स, रिहैबिलेशन सेंटर्स, रिकवरी केयर यूनिट्स और मनोरोग वार्ड में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप इस क्षेत्र में रिसर्च कर सकते हैं और एक्यूपंचर कोर्स संचालित करने वाली यूनिवर्सिटी व इंस्टीट्यूट में बतौर शिक्षक काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप स्वतंत्र निजी चिकित्सक के रूप में भी काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार बेहद आम है।

एनर्जी मैनेजमेंट में आगे बढ़ने का अवसर

ऊर्जा संकट आज पूरे विश्व की समस्या है। परंपरागत ऊर्जा पर निर्भरता के दुष्परिणाम बेमौसम बारिश, बाढ़, प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्याओं के रूप में हमारे सामने हैं। ऐसे में बीते कुछ वर्षों में क्लीन एनर्जी का महत्व काफी बढ़ा है। भारत भी ऊर्जा की अपनी भारी-भरकम जरूरतों को पूरा करने के लिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों यानी वैकल्पिक ऊर्जा, जैसे सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, बायो एनर्जी या हाइड्रो एनर्जी पर ज्यादा फोकस कर रहा है। विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के कुशल इस्तेमाल पर भी जोर दिया जा रहा है, जिसमें एनर्जी एफिशिएंट बिल्डिंग डिजाइन, रिस्क असेसमेंट, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, मैनेजरियल स्किल्स जैसी कोशिशें शामिल हैं। यही कारण है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एनर्जी मैनेजमेंट के ट्रेंड प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। देश में अभी तक सौर तथा पवन ऊर्जा क्षेत्र में करीब 70 हजार लोगों को फुल-टाइम जॉब मिल चुकी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वर्ष 2025 तक उत्पादन क्षमता लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में करीब 1,83,500 फुल-टाइम नौकरियों के अवसर और पैदा होंगे।

क्या है एनर्जी मैनेजमेंट?

एनर्जी मैनेजमेंट का महत्व आजकल सभी प्रतिष्ठानों में है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसके अंतर्गत ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन, फाइनेंस, मार्केटिंग तथा स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट जैसे मैनेजेरियल वर्क एरिया शामिल हैं। ऐसे ट्रेंड प्रोफेशनल आम तौर पर एनर्जी कॉरपोरेशंस के मैनेजमेंट में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

तरक्की की संभावनाएं

क्लीन एनर्जी इंडस्ट्री भले ही अभी शुरूआती दौर में है लेकिन यहां युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर करियर की संभावनाएं मौजूद हैं। बीते 4 वर्षों में सौर ऊर्जा का बाजार सौ गुना से भी ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ा है। सोलर पावर उत्पादन क्षमता, जो अभी 20 गीगावॉट्स है, उसे वर्ष 2025 तक बढ़ाकर 100 गीगावॉट्स तक करने का लक्ष्य है। सोलर सेक्टर में निवेश भी बीते तीन वर्षों के करीब 8 बिलियन डॉलर के मुकाबले वर्ष 2023 में 10.9 बिलियन डॉलर तक हुआ। पवन ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन चुका है। इस ऊर्जा ऊत्पादन को भी अगले 6 वर्षों में 60 गीगावॉट्स तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ये दोनों नए सेक्टर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल हैं। ऐसे में आगे के वर्षों में देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ एनर्जी मैनेजमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, सर्विसिंग, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी व सोशल एंटरप्रेन्योरशिप जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

देश के कई विश्वविद्यालय अलग-अलग नामों से पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट या एनर्जी स्टडीज से जुड़े कोर्स ऑफर कर रहे हैं। इस तरह के कोर्स में बीटेक, बीई या एमएससी फिजिक्स के विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। कई बिजनेस संस्थानों में एनर्जी मैनेजमेंट या पावर मैनेजमेंट जैसे एमबीए कोर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है।

सैलरी कितनी?

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में डिप्लोमाधारी युवाओं को शुरूआत में ही 10 से 15 हजार रूपए की सैलरी आसानी से मिल जाती है। वहीं, हाई क्वॉलिफाइड टेक प्रोफेशनल्स को शुरू में 5 से 6 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज मिल सकता है।

जॉब के अवसर

रिन्यूएबल एनर्जी एंड मैनेजमेंट सेक्टर से संबंधित सभी सरकारी व निजी उद्योगों में करियर के तमाम विकल्प मौजूद हैं। एनर्जी मैनेजमेंट के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के बाद युवा पावर डिस्ट्रिब्यूशन, ऑइल मार्केटिंग, पावर जनरेशन, ऑइल एक्सप्लोरिंग, पावर ट्रांसमिशन, एनर्जी पावर इंफ्रास्ट्रक्चर मैन्युफैक्चरिंग/ फाइनेंसिंग, एनर्जी सेक्टर, कंसल्टिंग सर्विसेज, सरकारी एजेंसियों यानी सोलर एनर्जी सेंटर, विंड एनर्जी टेक्नोलॉजी सेंटर, हाइड्रो एनर्जी सेंटर, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी के अलावा एनजीओ में करियर बना सकते हैं। रिसर्च में रुचि रखने वाले युवा इनोवेशन से जुड़ सकते हैं। बायोटेक्नोलॉजी की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए बायोफ्यूल तथा बायो पॉलिमर्स के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इंजीनियर्स इस सेक्टर में मशीन व उपकरणों के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

गेट परीक्षा पास करने के बाद इन क्षेत्रों में है बेहतर करियर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने से पहले हमें यह प्रश्न पूछना चाहिए कि यह परीक्षा भविष्य में हमें किन-किन रूपों में मदद करेगी। अगर आप गेट की परीक्षा में भी भाग लेने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले जान लीजिए कि इस परीक्षा को पास करने के बाद आप किन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग एक राष्ट्रीय स्तर पर कंडक्ट कराया जाने वाला एग्जाम है जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ग्रेजुएट छात्रों के लिए आयोजित की जाती है।

एमटेक

गेट परीक्षा में क्वालीफाई होने के बाद आप सीधे देश के सात आईआईटी या प्राइवेट संस्थानों में M. Tech के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सबसे कॉमन प्रवेश द्वार है जिसकी तलाश हर इंजीनियर करता है। एक अच्छे गेट स्कोर (GATE Score) के साथ, आप देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में एम.टेक, स्टाइपेंड और विभिन्न एकेडमिक लाभों के लिए योग्य होंगे।

पीएसयू में नौकरी

आज, कई पीएसयू अच्छे गेट स्कोर वाले उम्मीदवारों को नियुक्त करते हैं। बीएचईएल, आईओसीएल, ओएनजीसी, एनटीपीसी आदि जैसे 200 से अधिक पीएसयू, इंजीनियरिंग उम्मीदवारों की भर्ती के लिए गेट स्कोर को बेहतर क्राइटेरिया मानते हैं। जब आप गेट की परीक्षा को क्रैक करते हैं तो आपको सीधे सरकारी क्षेत्र की नौकरियां मिल सकती हैं।

पीएचडी एडमिशन

इन दिनों एम.टेक योग्यता पीएचडी कार्यक्रमों के लिए चयनित होने के लिए अनिवार्य नहीं है, यदि आपके पास बीटेक डिग्री और अच्छा गेट स्कोर है तो आप सीधे पीएचडी कार्यक्रमों क लिए चुने जा सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों के लिए एलिजिबल होने के लिए आपके पास एक बेहतर गेट स्कोर होना चाहिए और फिर रुचि वाले क्षेत्र में इंटरव्यू प्रोसेस के बाद पीएचडी में एडमिशन लिया जा सकता है।

मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट स्टडीज के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे कि पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैन्युफैक्चरिंग मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में क्वालीफाई होने के लिए उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी ग्रेजुएशन स्तर पर 60% और उससे अधिक के साथ वैध गेट स्कोर होना चाहिए।

थोड़े अभ्यास से आप भी बन सकते हैं सफल वक्ता

पब्लिक स्पीकिंग एक कला है, जिसमें कुशल लोग जीवन में भी काफी तरक्की कर जाते हैं। नौकरी की दुनिया हो या बिजनेस या फिर अन्य कोई भी फील्ड, तरक्की करने के लिए मंच पर बोलने की कला आनी चाहिए। आप देखते होंगे कि आज के दौर में सफल राजनेता हों या कॉरपोरेट हैड, वे बहुत अच्छे वक्ता भी होते हैं।

डर को करें दूर

अक्सर देखा जाता है कि इंट्रोवर्ट लोगों को जब ऑफिस में या किसी प्रोग्राम में लोगों की भीड़ के सामने बोलना पड़ता है, तो वे कांपने लगते हैं और उनकी जुबान लड़खड़ाने लगती है। ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। सबसे पहले आपको इस मामले में मन में आने वाले किसी भी तरह के डर को दूर करना होगा और इस बात पर ध्यान देना होगा कि प्रभावी तरीके से भाषण कैसे दिया जाए। यह जरूरी नहीं कि आप किसी प्रभावी वक्ता की तरह भाषण दे सकते हों लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ अपनी बात प्रभावी तरीके से कहने की कला आनी चाहिए। जो लोग मंच पर बहुत प्रभावी तरीके से भाषण दे लेते हैं, वे कोई सुपरह्यूमन नहीं होते। वे तो बस, मेहनती लोग होते हैं और यह जानते हैं कि अपनी बात पर जोर कैसे दिया जाए। इसलिए सारी आशंकाओं को दूर करते हुए सबसे पहले यह भरोसा पैदा करें कि आप यह कर सकते हैं।

तैयारी है महत्वपूर्ण

अपने भाषण की तैयारी इस तरह करें कि वह तार्किक प्रवाह वाला हो। उसे कहानियों, उदाहरणों आदि से ज्यादा से ज्यादा जीवंत बनाएं। तैयारी के लिए आप महान और अच्छे वक्ताओं के वीडियो देखें। स्पीच तैयार करने के बाद घर में ही जोर-जोर से बोलते हुए अभ्यास करें। ऐसा तब तक करें, जब तक कि आप इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाते कि अब आप इसे प्रवाहमय तरीके से और आराम से लोगों के सामने बोल सकते हैं।

अपने लुक पर करें गौर

यह ध्यान रहे कि भाषण देने के लिए आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सबसे पहला योगदान आपके बाहरी लुक का होता है। जब आप अच्छे दिखेंगे, तो अंदर से भी अच्छा महसूस करेंगे। आपके कपड़े फॉर्मल हों या कैजुअल, वे आरामदायक होने चाहिए।

देखें सकारात्मक पक्ष

इस बात पर विचार करें कि एक पब्लिक स्पीकर के रूप में आपके मजबूत और कमजोर पक्ष क्या हैं। आप जैसे हैं, उसी में बेहतर करने की कोशिश करें, अपने को वह न बनाएं जो आप नहीं हैं। जो आप बेहतर कर सकते हैं, उसी पर फोकस करें। आपके अंदर अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर हो सकता है, आप कहानियां सुनाने में माहिर हो सकते हैं या आप जटिल विचारों को टुकड़ों-टुकड़ों में बेहतर तरीके से पेश कर सकते हैं। खूबी कोई भी हो, उसका आपको फायदा उठाना चाहिए।

श्रोताओं का रखें ध्यान

इस बात पर अच्छी तरह से विचार करें कि आपके श्रोता क्या सुनना चाहते हैं। आप उनको क्या संदेश देना चाहते हैं? उनकी कौन-सी समस्या सुलझा सकते हैं? उनकी कौन-सी जरूरत पूरी कर सकते हैं? इन बातों को ध्यान में रखते हुए वह सब कुछ अपने भाषण में रखने की कोशिश करें। आपके श्रोता आपका भाषण क्यों सुनें? इसकी कोई वजह तो होनी चाहिए। शुरुआत में ही अपने भाषण को उनसे जोड़ने का प्रयत्न करें।

मुस्कराना न भूलें

मुस्कुराहट के साथ भाषण की शुरूआत करने से व्यक्ति खुश और सहज महसूस करता है। इसलिए भाषण से पहले एक बड़ी-सी स्माइल दें। कई लोग इसके जवाब में मुस्कुराएंगे, जिससे आप सहज होकर आत्मविश्वास से भरा महसूस करेंगे।

जानकारी है जरूरी

आप यदि कुछ जानते नहीं हैं, तो उसके बारे में बोल नहीं सकते। इसलिए टॉपिक के बारे में ज्यादा से ज्यादा पढ़ें और अलग-अलग स्रोतों से जानकारी हासिल करें। इससे आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा और आप अपनी बात को बुद्धिमत्ता से रख पाएंगे।

पढ़ाई में मन कैसे लगाएं

बहुत से छात्र ऐसे होते है जिनका मन पढ़ाई मे नहीं लगता है और वे जब भी पढ़ने बैठते है तो उनका मन कहीं और ही जाने लगता है और उनके मन मे कई प्रकार के विचार आने लगते है। इस कारण वे अच्छे से पढ़ाई नहीं कर पाते है और उनको परीक्षा मे कम अंक ही प्राप्त हो पाते है अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही होता है तो इस पोस्ट को आखिर तक पढ़ने के बाद आपकी यह परेशानी दूर हो सकती है। क्योंकि हम आपको पढ़ाई मे मन लगाने और आपकी रुचि कैसे बढ़ेगी पढ़ाई के प्रति इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स व उपाय बता रहे है।

पढ़ाई मे अच्छे से ध्यान लगाएं

कुछ छात्र ऐसे होते है जो क्लास मे पढ़ाई के समय ध्यान नहीं देते है और बाद मे उन्हे कोई सवाल पूछा जाता है तो वे कहते है की समझ मे नहीं आया या फिर याद नहीं है तो आपको ऐसा बिलकुल भी नहीं करना है जब टीचर आपको पढ़ाई के लिए प्रेरित करें तो उनके द्वारा कहीं गई बातों को ध्यान से सुने और पढ़ाई मे मन लगाने का प्रयास करें ऐसे निरंतर करने से आपका मन पढ़ाई मे लग जाएगा और आपको पढ़ने की लत लग जाएगी।

नकारात्मक सोच को दूर करें

आपको हमेशा खुद पर पूरा विश्वास करना है की आप कुछ भी कर सकते है सभी विषयो की पढ़ाई करके उन्हे याद भी रख सकते है दोस्तो जो हम सोचते है हम वे सब काम कर सकते है और आप कुछ भी कर सकते है यह वादा आपको अपने आप से करना है और सच्ची मेहनत के साथ पढ़ाई मे मन लगाना है और अपने अंदर के नकारात्मक सोच व विचारो को दूर करके टाइम टेबल के अनुसार पढ़ाई निरंतर करते रहना है।

एकाग्रता बनाए रखे

दुनिया मे जो भी व्यक्ति सफल होते है वे अपनी एकाग्रता के कारण ही होते है इसलिए आप जब भी पढ़ाई करने जाए तो पूरी एकाग्रता के साथ अपने विषय पर ध्यान दे और उस टोपिक को पूरा क्लियर करने का प्रयास करें। पढ़ाई करते समय आपके मन मे और कोइर भी विचार नहीं आना चाहिए आपका पूरा फॉक्स पढ़ाई पर होना चाहिए।

अनुभव का उपयोग करें

अनुभव पढ़ाई मे भी बहुत काम आता है इसलिए आप हमेशा पापने द्वारा व दूसरों के द्वारा की गई गलतियों से सीखते रहे और उन्हे दुवारा ना होने दे। आपकी पुस्तक मे आने वाले चित्रो से आप बहतू कुछ सीख सकते है और आसानी से याद भी कर सकते है। आप अपनी क्लास या फिर किसी भी अच्छे छात्र से प्रेरणा भी ले सकते है और सही तरीके से पढ़ाई कर सकते है और जीवन मे आगे बढ़ सकते है।

पढ़ने का सही तरीका अपनाएं

दोस्तो आपको बता दे की पढ़ाई करने के बहुत से तरीके है लेकिन सबसे सही तरीका जो आपके अंदर आलस को दूर करता है आपका ध्यान पढ़ाई मे अधिक से अधिक लगता है वो है कुर्सी और टेबल पर ही पढ़ाई करनी चाहिए इस तरीको को अपनाते समय आपको थोड़े दिनो तक अलग सा लग सकते है लेकिन जब आप रेगुलर इस प्रकार पढ़ाई करेंगे तो आपकी रुचि अपने आप पढ़ाई के प्रति बढ़ती चली जाएगी और आप पढ़ाई मे होशियार बनते चले जाएंगे।

ऐसे बनाएं पढ़ाई की समय सारणी

आपको हमेशा और रेगुलर अच्छी पढ़ाई के लिए समय सारणी बनानी बहुत जरूरी है और इसका सभी तरीके से पालन करने से आप कभी भी पढ़ाई मे पीछे नहीं रहेंगे तो आइये जानते है पढ़ाई की समय सारणी कैसे बनाए। सभी भी आप अपनी पढ़ाई के लिए समय निर्धारित करें तो आपको सभी विषयो के लिए रोजाना टाइम निकालकर पढ़ाई करना है और आपको पढ़ाई करते समय हर 45 से 01 घंटे के अंदर 5-10 मिनट का ब्रेक भी लेना सही होता है। आप पढ़ाई का वो समय निर्धारिक करें जिस समय आपको कोई और काम के लिए बाध्यता ना हो आप दिन या फिर रात कभी भी पढ़ाई कर सकते है। आपको जैसे भी अच्छा लगे लेकिन आपको अपनी पढ़ाई निरंतर व सभी विषयो की पढ़ाई समय सारणी के अनुसार ही करनी चाहिए।

पढ़ाई के बीच मे रेस्ट करने का समय निर्धारित करें

दोस्तो ऐसा नहीं है की आप कुछ दिनो के लिए पूरे दिन पढ़ाई करके ही सब कुछ सीख सकते है हा कुछ छात्र ऐसा भी करते है की वे परीक्षा के समय पूरे दिन पढ़ाई करते है और परीक्षा को पास कर लेते है लेकिन ऐसा करने से जीवन मे हमेशा सब कुछ कवर नहीं हो पाता है आपको अपनी पढ़ाई के बीच रेस्ट का भी ध्यान रखना है और निरंतर पढ़ाई करते रहना चाहिए। समय पूरा होने पर आपको फिर से पढ़ाई शुरू करनी चाहिए।

अपने लेवल को चेक करते रहे

आपको अपनी पढ़ाई को सही तरीके से करते रहना है और समय-समय पर अपनी पढ़ाई के स्तर को चेक भी करते रहना है। ताकि आपको अपनी कमी का पता लग सके और आप उसे दूर कर सके। ऐसा करने से आपको पढ़ाई मे अधिक सगलता मिलेगी।

दूसरे दिन ध्रुव जुरेल ने जड़ा शतक

भारत ने श्रीलंका को दिए शुरूआती झटके; फिलहाल 495 रन पीछे

एजेंसी, कोलंबो।

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 503 रन के स्कोर पर घोषित की।

दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने पहली पारी में दो विकेट पर आठ रन बनाए हैं और वह अभी भारत से 495 रन पीछे चल रही है। स्टंप्स के समय कमिल मिशारा पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले बारिश ने दिन के खेल में खलल डाला जिससे कुछ समय के लिए मैच को रोकना भी पड़ा।

श्रीलंका ने गंवाए दो विकेट

भारत के लिए आज ध्रुव जुरेल ने शतक लगाया, जबकि ऋषभ पंत ने भी शानदार पारी खेली जिससे टीम इंडिया पहली पारी में 500 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रही। जुरेल अंत तक नाबाद रहे और भारत ने तीसरे सत्र में पारी घोषित करने का फैसला लिया। पहली पारी में श्रीलंका ने जल्द ही दो विकेट गंवा दिए हैं।

भारत ने घोषित की पहली पारी

भारत ने आज पांच विकेट पर 300 रन से आगे खेलना शुरू किया और अपने स्कोर में 203 रन जोड़े। आज भारत ने चार विकेट गंवाए। इनमें सारांश जैन (6 रन), ऋषभ पंत (63 रन), मानव सुथार (18 रन) और मोहम्मद सिराज (3 रन) के विकेट शामिल हैं। जुरेल ने टेस्ट करियर का दूसरा शतक जड़ा। वहीं, पंत ने टेस्ट करियर की 21वीं फिफ्टी लगाई। इससे पहले कल भारत ने यशस्वी जायसवाल (45 रन), केएल राहुल (18 रन), शुभमन गिल (50 रन) और रवींद्र जडेजा (43 रन) के विकेट गंवाए थे। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल ने अपना दूसरा टेस्ट शतक जड़ा था। वह 193 गेंद पर 12 चौके की मदद से 117 रन बनाकर आउट हुए थे। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। इसके अलावा प्रभात जयसूर्या और केशारा नुवांथा को दो-दो विकेट मिले। लाहिरू कुमारा ने एक विकेट लिया।

लाहिरू उदारा (1) और प्रभात जयसूर्या 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए हैं। भारत के लिए अब तक प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला है। अब तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज श्रीलंका की पहली पारी जल्द समेटना चाहेंगे।

जुरेल सातवें नंबर पर शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय

ध्रुव जुरेल ने अपने टेस्ट करियर का दूसरा शतक लगाया। उन्होंने 171 गेंद पर शतक पूरा किया। जुरेल 99 के स्कोर के बाद भारी दबाव में दिखे थे। उन्होंने एक रन बनाने के लिए 13 गेंद ले लिए। उन्होंने दौड़कर एक रन पूरा तो किया, लेकिन अगर श्रीलंकाई फील्डर की डायरेक्ट हिट लगती तो वह पवेलियन लौटते। जुरेल श्रीलंका में सातवें नंबर पर टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले 2017 में हार्दिक पांड्या ने ऐसा किया था। उस समय ने हार्दिक ने पल्लेकल में 108 रन की पारी खेली थी। जुरेल से पहले भारत के लिए सातवें नंबर या इससे निचले स्थान पर भारत के लिए टेस्ट शतक नीतीश कुमार रेड्डी ने लगाया था। नीतीश ने दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 114 रन बनाए थे।

शतक लगाने के बाद जुरेल ने क्यों दिखाया टैटू

शतक पूरा करने के बाद जुरेल ने सलामी दी और अपनी बांह पर बना ह्यजय जवान, जय किसानह्ल का टैटू दिखाया। उन्होंने बताया कि उनके दादा किसान थे और पिता सैनिक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यही मेरी जड़ें हैं और मैं इन्हें भूलना नहीं चाहता। इसलिए वह सलामी मेरे पिता और दादा के लिए थी।' जुरेल ने दिन के आखिर में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली। उन्होंने पंत की फिटनेस पर कहा कि उनके दाएं कंधे पर चोट लगी है और टीम उनकी स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। जुरेल ने कहा, आज मैंने विकेटकीपिंग की, क्योंकि उनका कंधा थोड़ा चोटिल था। उम्मीद है कि वह कल तक फिट हो जाएंगे।

इमरान खान के लिए छलका कपिल देव का दर्द

पूर्व कप्तान के साथ मानवीय व्यवहार की अपील, बोले- मिले चिकित्सा सुविधा

एजेंसी, मकाय

भारत के महान क्रिकेटर कपिल देव ने पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान के साथ सोमवार को मानवीय व्यवहार किए जाने की अपील की। इससे पहले रविवार को कपिल सहित 22 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पिछले छह महीने में दूसरी बार पत्र लिख कर इमरान के उचित इलाज और स्वास्थ्य सुविधाओं का ध्यान रखने की अपील की थी।

इमरान के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई

इस वर्ष फरवरी में सुनील गावस्कर समेत 14 पूर्व कप्तानों ने अदियाला जेल में इमरान के स्वास्थ्य को लेकर गहरी चिंता जताई थी। इमरान पर जेल में उचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने और चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। कपिल देव ने कहा कि उन्हें पाकिस्तान के कानून की जानकारी नहीं है, लेकिन वह अधिकारियों से इमरान के लिए एक कैदी के तौर पर भी बुनियादी सुविधाएं और मानवीय व्यवहार की अपील करते हैं।

पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल ने डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के लॉन्च के मौके पर कहा, हम उस देश के कानून से परिचित नहीं हैं, यह अपनी जगह है। लेकिन हर कैदी के साथ विनम्रता और मानवीय व्यवहार होना चाहिए तथा उसे बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए, चाहे वह कोई भी हो। इमरान उस देश के पूर्व प्रधानमंत्री और दुनिया के शीर्ष क्रिकेटरों में से एक रहे हैं। हम चाहते हैं कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ इलाज मिले। हम किसी और चीज की मांग नहीं कर रहे हैं और न ही किसी जवाब की अपेक्षा है। हम सिर्फ अनुरोध कर रहे हैं।

कपिल बोले- अपने दोस्त का समर्थन करना चाहता हूं

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम और वकार यूनिस को छोड़ दें तो किसी अन्य बड़े पाकिस्तानी क्रिकेटर ने सार्वजनिक रूप से इमरान के समर्थन में सामने आकर उनके लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा की मांग नहीं की है। इस बारे में पूछे जाने पर कपिल ने कहा कि वह पाकिस्तान के क्रिकेटरों को दोष नहीं देना चाहेंगे, क्योंकि वे अपने देश में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, हम बाहर से चीजों को देख रहे हैं। मैं अपने उस दोस्त का समर्थन करना चाहता हूं, जिसके साथ हमने क्रिकेट खेला और जिसकी क्रिकेट प्रतिभा की हमेशा प्रशंसा की। इमरान के समर्थन में लिखे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में ग्रेग चैपल, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, सुनील गावस्कर, डेविड गॉवर, क्लाइव लॉयड, अर्जुन रणतुंगा, स्टीव वॉ और जॉन राइट समेत कई दिग्गज शामिल हैं। इमरान खान 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। पद से हटाए जाने के बाद भ्रष्टाचार और अन्य मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से वह जेल में हैं।

यशस्वी-फर्नांडो की नोकझोंक पर भी दी प्रतिक्रिया

कपिल ने इस दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच हुई तीखी नोकझोंक पर भी प्रतिक्रिया दी। कपिल ने कहा, ऐसी घटनाएं खेल में होती रहती हैं। यह जायसवाल का खेलने का तरीका है। हर खिलाड़ी का अपना व्यक्तित्व होता है। अगर वह इसी तरह खेलना चाहता है तो उसे शुभकामनाएं। लेकिन क्रिकेट बोर्ड को यह तय करना होगा कि सीमा कहां खींचनी है और खिलाड़ी को उस सीमा को पार नहीं करना चाहिए।

मनोरंजन

राशि खन्ना ने इंडस्ट्री में अपने 13 साल के सफर पर कहा-

काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरूआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं।

अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, ''तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरूआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।'

अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया।

वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है।

राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

विवाद के बीच अंजलि अरोड़ा का नया गाना रिलीज

बीते दिनों फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में अंजलि अरोड़ा को माता सीता के किरदार में कास्ट करने पर बड़ा बवाल हुआ था। इसी बीच अब अंजलि का एक नया पंजाबी गाना 'फ्लाई करके 2' रिलीज हो चुका है।

क्या है 'फ्लाई करके 2'?

अंजलि अरोड़ा का गाना 'कच्चा बादाम' काफी पॉपुलर हुआ था। अब उनका नया गाना 'फ्लाई करके 2' फैंस के बीच आ चुका है। जानिए इसमें क्या है? यह मूल रूप से एक पंजाबी गाना है। गाने के वीडियो में अंजलि सिंगर सब्बा के साथ नजर आ रही हैं। यह एक रोमांटिक गान है जिसका निर्माण स्पीड रिकॉर्ड लेबल के बैनर तले हुआ है। वीडियो ने अपनी रिलीज से कुछ देर में ही हजारों व्यूज बटोर लिए हैं।

गाने पर भी हुई ट्रोल

जहां इससे पहले अंजलि अपनी फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का टीजर सामने आने के बाद ट्रोल हुई थीं। वहीं इस म्यूजिक वीडियो को लेकर भी उनको खूब ट्रोल किया जा रहा है। इंस्टाग्राम पर कमेंट सेक्शन में कोई उनकी हेयरस्टाइल का मजाक उड़ा रहा है तो कहीं कोई माता सीता का रोल करने के बाद यह म्यूजिक वीडियो करने पर उन्हें ट्रोल कर रहा है।

अंजलि ने दिया ट्रोलर्स को जवाब

इन सबके बीच अंजलि ने पर्सनल लाइफ से जुड़ी एक पोस्ट भी साझा की। स्कॉटलैंड में घूमते हुए उन्होंने एक वीडियो शेयर कर लिखा, 'अगर वो आपसे नफरत करते हैं, मतलब आप कुछ ना कुछ सही कर रहे हो।'

फिल्म को लेकर क्यों ट्रोल हुईं अंजलि?

कुछ दिनों पहले ही अंजलि की फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का टीजर और पोस्टर रिलीज किया गया था। टीजर में अंजलि माता सीता के किरदार में दिखाई दीं। इसके बाद से सोशल मीडिया यूजर्स ने फिल्म का कास्टिंग का जमकर विरोध किया था। अंजलि पहले भी कई बोल्ड वीडियो मे दिख चुकी हैं, ऐसे में कई यूजर्स उन्हें माता सीता के किरदार में स्वीकार नहीं कर पाए।

'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के बारे में

इस फिल्म का निर्माण महोबिया फिल्म्स के बैनर तले हुआ है। इसका निर्देशन अभिषेक सिंह ने किया है। फिल्म में अंजलि के अलावा शील वर्मा, रजनीश दुग्गल और निर्भय वाधवा भी अहम किरदारों में हैं।

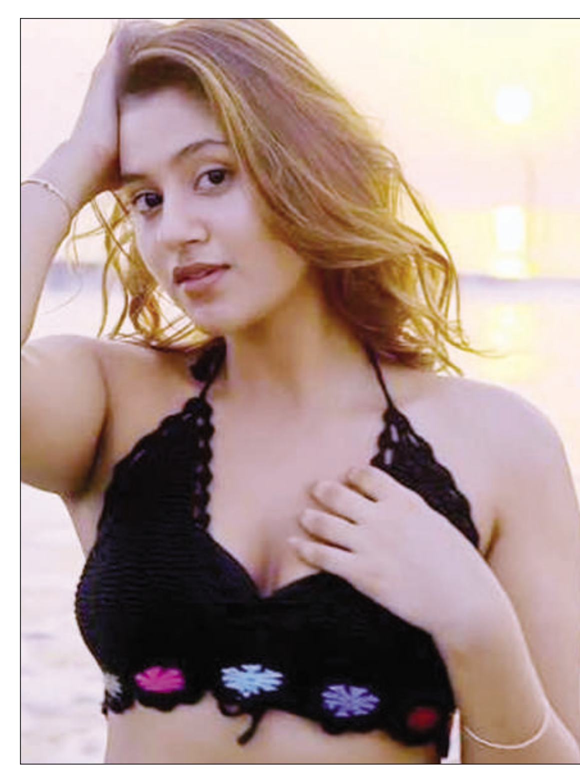

वृक्षों के नीचे झूलों के साथ अब नहीं सुनने को मिलता

झूला तो पड़ गए अंबुआ की डाल पे जी...

सोशल मीडिया से कमजोर हुई भारतीय संस्कृति और संस्कारों की डोर

पवन शाक्य

आगरा। सावन महीना मेरा जिया जले री बहना...।

अरी बहना, अंखियां हैं प्यासी-प्यासी, मनवा में पूरनमासी...।

आया सावन, बड़ा मनभावन, रिमझिम की पड़े फुहार, राधा झूल रहीं कान्हा संग में...।

ऐसे सुमधुर गीत अब शहरों तो क्या कहीं गांव में भी सुनने को नहीं मिलते। कहीं भी निकल जाइए, महिलाएं हों या पुरुष, या फिर युवक-युवतियां... हर कोई अपने-अपने मोबाइल फोनों में खोए नजर आएंगे। त्योहारों के नाम पर तो अजीब सा सन्नाटा ही नजर आएगा। जी हां, हम बात उन दिनों की करते हैं। जब आज की तरह हर किसी के हाथ में मोबाइल फोन नहीं होते थे। तब सावन के महीने में रिमझिम फुहार के बीच हर गांव और शहर में युवतियों और महिलाओं की टोलियां किसी पेड़ के नीचे झूलों पर सुमधुर सावन गीत मल्हार गाते मिल जाती थीं। उनकी हंसी-ठिठोली और झूलों पर तो मांनो दांव ही लगा रही हों, ऐसे पींगें बढ़ाती थीं। झूलों वाले पेड़ के नीचे तब युवतियों और महिलायों की जो मौज-मस्ती, उन्मुक्तता, उल्लास और स्वच्छंदता देखने को मिलती थी। संभवतः वो आज कहीं नहीं दिखाई देती।

सोशल मीडिया पर शार्ट वीडियों ने किया सब कबाड़ा

भारतीय संस्कृति और संस्कारो की डोर निश्चित रूप से इस भौंड़े सोशल मीडिया और उस पर दिखने वाले शार्ट वीडियो ने मसल डाली है। तब जो युवतियां और घर की बहुएं अपने परिवार की दादी, सास, जेठानी, देवरानी, ननद और भाभियों के साथ हंसी-ठिठोली कर अपने संस्कार और भारतीय संस्कृति का परिचय देती थीं। आज वही शार्ट वीडियो में भद्दापन, अश्लीलता और भौंड़ेपन का प्रदर्शन करती हैं। संस्कारों के नाम पर अब कोई घर में बड़ों की बात तक सुनना पसंद नहीं करता।

सभी को समझनी होगी अपनी जिम्मेदारी

बदलते जमाने के साथ घर और परिवार में ये जो माहौल बदला है ना... इसे कोई कितना भी खुलापन और आधुनिकता क्यों न माने, पर हम तो इसे संस्कार और संस्कृति का नाश ही कहेंगे। मौजूदा समय में ये जो अंतिम पीढ़ी है ना... यदि इसकी अभी भी न सुनी गई तो आने वाले समय में मैं समझता हूं कि भारतीय संस्कृति और संस्कार नाम की कोई चीज ही नहीं बचेगी। इस लिए क्या छोटे और क्या बड़े, सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। तभी भारतीय हिंदू त्योहारों की शोभा युग-युगांतर तक जीवित रह सकेगी।